लखनऊ

मंगलवार, 28 जुलाई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 329

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

# आर्यावर्त क्रांति

ज़िन्दगी आसान नहीं होती, इसे आसान बनाना पड़ता है।

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi

NIGHT 28° Low

## संक्षेप

### आवारा कुत्तों के मुद्दे पर SC का सुनवाई से इनकार, जन्म नियंत्रण को लेकर डाली गई थी याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। इस याचिका में भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) को पशु जन्म नियंत्रण केंद्रों और आश्रयों में कुत्तों के प्रति क्रूरता के मुद्दे को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें केंद्र, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (UTs) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी कि कोई भी नगर निकाय या स्थानीय प्राधिकरण पशु जन्म नियंत्रण अभियान चलाने के लिए किसी भी पशु कल्याण संगठन को तब तक नियुक्त न करे जब तक कि उसके पास AWBI से वैध परियोजना मान्यता प्रमाण पत्र न हो। पशु जन्म नियंत्रण नियम, 2023 के अनुसार, आवारा कुत्तों के लिए कोई भी पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम तब तक संचालित नहीं किया जाएगा जब तक कि स्थानीय प्राधिकरण या पशु कल्याण संगठन को नियमों के तहत ऐसे कार्यक्रम के संचालन के लिए परियोजना मान्यता का प्रमाण पत्र प्राप्त न हो जाए। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ को परियोजना मान्यता प्रमाण पत्र के बारे में बताया। वकील ने शीर्ष अदालत के 19 मई के फैसले का भी हवाला दिया, जिसमें कई निर्देश दिए गए थे, जिनमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पशु जन्म नियंत्रण ढांचे के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए समयबद्ध कदम उठाने के लिए कहना शामिल था।

### विपक्ष के सांसदों ने सरकार पर लगाया आरोप, कहा-सरकार जनता और छात्रों को कानून के नाम पर कर रही गुमराह

नई दिल्ली। संसद के मॉनसून सत्र के दौरान सोमवार को सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक 2026, छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों को लेकर विपक्ष ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों ने सरकार पर छात्रों के साथ कठोर व्यवहार करने, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर गंभीरता नहीं दिखाने का आरोप लगाया। वहीं, विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफी और गृह मंत्री अमित शाह की निंदा की भी मांग दोहराई। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने संसद परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि उन्हें यह जानकारी मिली है कि बिहार और पश्चिम बंगाल में छात्रों के खिलाफ अब भी एफआईआर दर्ज की जा रही हैं। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस सूचना की अभी पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यदि इसकी पुष्टि ही नहीं हुई है, तो फिर इस पर बहस का क्या औचित्य है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने सार्वजनिक परीक्षाओं संशोधन विधेयक पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार पहले भी इस विषय पर कानून बना चुकी है। उन्होंने पूछा कि यदि पहले के कानून पर्याप्त थे, तो नए संशोधन की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों पर पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया और सवाल किया कि क्या सरकार को पढ़े-लिखे छात्रों से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा महसूस हो रहा था।

# पेपर लीक पर राज्यसभा में टकराव: रिजिजू ने विपक्ष से कहा- देश आपको देख रहा, सदन चलने दें, खरगे ने किया पलटवार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार को बार-बार बाधित होती रही। शाम 5 बजकर 15 मिनट जब सदन की कार्यवाही एक बार फिर शुरू हुई तो संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष, खासकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष जानबूझकर कर चर्चा नहीं होने दे रहा है।

### मल्लिकार्जुन खरगे ने क्या कहा?

इसके जवाब में राज्यसभा में प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम चर्चा को तैयार हैं और हम चर्चा से डरने वाले नहीं हैं। दरअसल, विपक्ष का कहना है कि जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस एक्शन के मामले में गृहमंत्री को बयान देना चाहिए। किरेन रिजिजू ने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से अपील करते हुए कहा कि उनसे उम्मीद थी कि वह अपनी पार्टी के सांसदों को सदन चलाने के लिए समझाएंगे।

### रिजिजू ने विपक्ष पर क्या आरोप लगाया?

रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस लंबे समय से पेपर लीक और छात्रों के भविष्य को लेकर चर्चा की मांग करती रही है, लेकिन अब जब सरकार 'पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) संशोधन विधेयक' जैसे महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा कराने को तैयार है, तब विपक्ष सदन नहीं चलने दे रहा है। रिजिजू ने कहा कि सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा, दोनों में चर्चा के लिए समय निर्धारित कर दिया है।

### रिजिजू ने विपक्ष से क्या कहा?

संसद की बिजनेस सलाहकार समिति की बैठक में विपक्ष की सहमति से समय आवंटित किया गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित मंत्री भी सदन में चर्चा सुनने के लिए मौजूद हैं। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, 'बाहर कहा जाता है कि संसद में बोलने नहीं दिया जाता, लेकिन सदन के भीतर हम हाथ जोड़कर कह रहे हैं कि आइए, चर्चा कीजिए। फिर भी आप सदन नहीं चलने दे रहे हैं।"

संसदीय कार्यमंत्री ने खरगे से कहा कि वह वरिष्ठ नेता हैं और कांग्रेस सांसदों को इस तरह का व्यवहार न करने की सलाह दें। देश के युवा इस कार्यवाही को देख रहे हैं और वे पेपर लीक जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा सुनना चाहते हैं। रिजिजू ने यह भी कहा कि लोकसभा में सरकार ने वक्ताओं की सूची तक जारी कर दी है, लेकिन वहां भी कांग्रेस के सदस्य हंगामा कर रहे हैं। उन्होंने विपक्ष से कहा कि इस तरह के रवैये से सबसे अधिक नुकसान उसी का होगा।

#### अब संसद में चर्चा होनी चाहिए

उन्होंने दोहराया कि प्रधानमंत्री पहले ही इस मुद्दे पर आवश्यक कदम उठा चुके हैं और अब संसद में चर्चा होनी चाहिए, लेकिन विपक्ष उसे होने नहीं दे रहा। वहीं नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसदीय कार्यमंत्री की इन बातों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि छात्रों पर बल प्रयोग किया गया। उन्होंने कहा की वे चर्चा को तैयार हैं, लेकिन वह छात्रों पर बल प्रयोग का मुद्दा उठाते रहे। खड़गे जब अपनी बात रख रहे थे तो राज्यसभा में जबरदस्त हंगामा शुरू हो गया और उपसभापति ने सदन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी।

## कशमीरियों पर महबूबा का बयान 'गैर-जिम्मेदाराना', जंतर-मंतर जाने के बजाय मांगें माफी: उमर अब्दुल्ला

**जम्मू।** जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती को जंतर-मंतर जाने की बजाय घर पर रहना चाहिए था। उन्होंने महबूबा से कश्मीरियों पर बल प्रयोग को सही ठहराने वाले अपने बयानों के लिए माफी मांगने को भी कहा। सीएम अब्दुल्ला ने अपने प्राइवेट ऑफिस के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सत्ता में रह चुके नेताओं के गैर-जिम्मेदाराना बयान आम लोगों को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने से रोक सकते हैं। महबूबा मुफ्ती 23 जुलाई को जंतर-मंतर गई थीं और परीक्षा में गड़बड़ी के खिलाफ कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन का समर्थन किया था। दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस की कार्रवाई का विरोध करते हुए पीडीपी अध्यक्ष ने कश्मीर घाटी में पहले इस्तेमाल किए गए पैलेट गन का समर्थन से जुड़ा बयान दिया।

## सदाचारी मनुष्य समाज में प्रतिष्ठा और सज्जनों का आदर प्राप्त करता है : प्रधानमंत्री मोदी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स'पर सोमवार को सुभाषित शेयर किया है। प्रधानमंत्री की ओर से एक्स पोस्ट में संस्कृत श्लोक, शीलवान् पूजितो लोके, शीलवान् साधुसम्मतः। शीलवान् सर्वकर्मार्हः, शीलवान् प्रियदर्शनः॥ शेयर किया गया है। जिसका हिंदी अर्थ है- सदाचारी मनुष्य समाज में प्रतिष्ठा और सज्जनों का आदर प्राप्त करता है। उत्तम चरित्र से युक्त व्यक्ति अपने सत्यनिष्ठा, विनम्र, और मर्यादित आचरण के कारण प्रत्येक उत्तरदायित्व के योग्य माना जाता है; उसका व्यक्तित्व सभी के लिए आकर्षक और अनुकरणीय होता है। वास्तव में, सफलता, प्रभावी नेतृत्व, और अटूट विश्वास का वास्तविक आधार उत्तम चरित्र ही है।

पीएम ने 24 जुलाई को भी सोशल मीडिया पर सुभाषित शेयर किया था। उन्होंने श्लोक, कर्मणा मनसा वाचा यदभीक्ष्णं निषेवते। तदेवापहरत्येनं तस्मात्कल्याणमाचरेत॥ साझा किया था, जिसका हिंदी अर्थ है- मनुष्य अपने कर्मों, विचारों और वचनों के द्वारा जिस किसी भी विषय का निरन्तर अभ्यास करता है, वही अन्ततः उसके व्यक्तित्व को ढालकर उसे उसी दिशा में खींच ले जाता है, इसलिए मनुष्य को सदैव अपने चिंतन और संवाद में केवल कल्याणकारी विषयों को ही स्थान देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने 23 जुलाई को सुभाषित शेयर करते हुए लिखा था, य श्च ा य म ि स्म न् ना का शे तेजोमयोऽमृतमयः पुरुषः सर्वानुभूः। य श्च ा य म ि स्म न् ना ट म नि तेजोमयोऽमृतमयः पुरुषः सर्वानुभूः।। जिसका हिंदी अर्थ है कि विस्तृत आकाश या अन्तरिक्ष में जो शक्तिमयी शाश्वत सत्ता है, वही हमारी आत्मा में भी है। इसलिए कहा भी गया है - जो पिण्ड या कण-कण में है, वही ब्रह्माण्ड में है।

## आईएमडी ने कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की, अगले 14 घंटे कई राज्यों के लिए मुश्किल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की ओर से सोमवार को कई राज्यों में तेज बारिश, आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाओं को लेकर चेतावनी जारी की गई है। आईएमडी के लेटेस्ट बुलेटिन के मुताबिक, अगले 14 घंटे भारी बारिश की वजह से कई राज्यों के लिए बहुत मुश्किल रहने वाले हैं। मौसम विभाग की ओर से चेतावनी दी गई है कि कुछ इलाकों में हवा की स्पीड 80 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है, जिससे पेड़ उखड़ने, बिजली जाने, ट्रैफिक में रुकावट और निचले इलाकों में पानी भरने का खतरा बढ़ सकता है। किसानों, यात्रियों और नदियों और तटीय इलाकों के पास रहने वाले लोगों को अलर्ट कर दिया गया है। पहाड़ी राज्यों में, अधिकारियों ने लगातार बारिश के कारण संभावित भूस्खलन और नदियों के पानी के लेवल में अचानक बढ़ोतरी के बारे में भी चेतावनी दी है।

## दल-बदल कानून में 'खामियों' पर कपिल सिब्बल की याचिका, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को एक PIL पर नोटिस जारी किया। यह PIL कपिल सिब्बल ने दायर की थी, जिसमें संविधान की दसवीं अनुसूची की उस व्याख्या को चुनौती दी गई है जो विधायकों को राजनीतिक पार्टी के विलय के ज़रिए दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य होने से बचने की इजाज़त देती है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने संक्षिप्त सुनवाई के बाद इस याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। भारत के दलबदल विरोधी कानून से जुड़ी 'बड़ी समस्याओं' का ज़िक्र करते हुए बेंच ने कहा कि यह

बेंच ने आगे कहा कि ऐसे मुद्दों को आदर्श रूप से सदन के भीतर ही उठाया जाना चाहिए। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि ये ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें आम तौर पर सदन में उठाया जाना चाहिए; अगर ऐसा नहीं

होता, तो कम से कम राजनीतिक दलों के सामने तो उठाया ही जाना चाहिए। 10वीं अनुसूची का मकसद विधायकों के बीच के कामकाज के तरीके को रेगुलेट करना है। हमने देखा है कि 10वीं अनुसूची के कामकाज में कई बड़ी दिक्कतें सामने आई हैं। लेकिन इसे बनाया किसने? इसे संसद सदस्यों (MP) ने ही बनाया है। सिब्बल ने जवाब दिया कि कभी-कभी सांसद भी गलतियाँ कर सकते हैं और हो सकता है कि यह मामला कभी सुलझ ही न पाए क्योंकि इससे सत्ता में बैठे लोगों को फायदा होता है। सिब्बल ने कहा कि सत्ता में बैठे लोग कभी भी इस मामले का फैसला नहीं होने देंगे।

## 37 दिन के सीजेपी आंदोलन पर हुए 'गुप्त समझौते' का सच बताए मोदी सरकार : अखिलेश यादव

आर्यावर्त क्रांति

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी ने सोमवार को परीक्षा से जुड़े मुद्दों को संभालने के तरीके को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। पार्टी ने आरोप लगाया कि विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ की गई कार्रवाई से पता चलता है कि सरकार जनता की भावनाओं की परवाह नहीं करती। पार्टी ने यह सवाल भी उठाया कि क्या सिस्टम में सुधार किए बिना सिर्फ़ कड़े कानूनों से ही पेपर लीक को रोका जा सकता है। अखिलेश यादव ने कहा कि इतना बड़ा आंदोलन या तो सरकार की कोशिशों से खत्म हुआ या इसलिए कि सरकार ने छात्रों की मांगें मान लीं; सरकार झुक गई है, इसलिए उसे उन खास बातों का खुलासा करना चाहिए जिन पर उसने सहमति जताई है। सरकार ने कहा था कि केस दर्ज नहीं किए जाएंगे, फिर भी केस दर्ज किए जा रहे हैं। बिहार में कई छात्रों को जेल भेज दिया गया।

पत्रकारों से बात करते हुए SP प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह कई जगहों पर छात्रों और युवाओं के खिलाफ़ मामले दर्ज करके उन्हें निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को 'जन-चेतना' को चुनौती नहीं देनी चाहिए और साथ ही कहा कि बढ़ती जन-जागरूकता खुद सत्ताधारी व्यवस्था के लिए एक चुनौती बन गई है। इस मुद्दे पर विपक्ष की प्रतिक्रिया का ज़िक्र करते हुए, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों के नेता एक साथ बैठकर आगे की कार्रवाई तय करेंगे। इस बीच, वरिष्ठ SP नेता रामगोपाल यादव ने सवाल उठाया कि क्या 'पब्लिक एग्ज़ामिनेशन्स (प्रिवेंशन ऑफ़ अनफेयर मीन्स) अमेंडमेंट बिल, 2026' और नंदन नीलेकणि की अगुवाई में परीक्षा सुधारों पर एक हाई-पावर्ड टास्क फ़ोर्स बनाने का केंद्र का फ़ैसला, अकेले ही पेपर लीक की समस्या को खत्म कर पाएगा।

## मैं स्ट्रीट फाइटर हूं, एसी एक्टिविस्ट नहीं... इस्तीफे के बाद पहले रिएक्शन में ऐसा क्यों बोले धर्मेंद्र प्रधान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** छात्रों के ज़बरदस्त विरोध के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से इस्तीफ़ा देने के दो दिन बाद, धर्मेंद्र प्रधान सोमवार को संसद पहुँचे। इस दौरान बीजेपी सांसदों ने ज़ोरदार तालियों के साथ उनका स्वागत किया। जब प्रधान के साथियों ने उनका स्वागत किया, तो वे मुस्कुराते हुए नज़र आए। बीजेपी के एक सांसद ने कहा कि शायद यह पहली बार है जब किसी केंद्रीय मंत्री ने बिना किसी व्यक्तिगत आरोप का सामना किए इस्तीफ़ा दिया है। इसी स्वागत-समारोह के दौरान जयराम रमेश प्रधान के पास पहुँचे और उनके इस्तीफ़े पर सहानुभूति जताई। कांग्रेस नेता ने उनसे कहा, 'ऐसा होता रहता है।' प्रधान ने तुरंत जवाब दिया, 'कुछ नहीं हुआ,' और साथ ही कहा: 'मैं ज़मीनी स्तर पर लड़ने वाला नेता हूँ, AC कमरे में बैठकर काम करने वाला एक्टिविस्ट नहीं।' बीजेपी नेताओं ने इस छोटी सी बातचीत को इस संकेत के तौर पर देखा कि कैबिनेट से हटने के बावजूद प्रधान राजनीतिक रूप से आत्मविश्वास से भरे हुए हैं और अपनी अगली ज़िम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं।

इससे बीजेपी में उनकी अगली भूमिका को लेकर भी अटकलें तेज़ हो गई हैं। ओडिशा में पार्टी के सबसे बड़े नेताओं में से एक होने के अलावा, प्रधान को बार-बार संगठन और चुनाव से जुड़ी अहम ज़िम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। छात्रों के हफ्तों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बाद धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया। इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व मुख्य रूप से कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) कर रही थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकानी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय कार्य बल के गठन की घोषणा की। इस कार्य बल का उद्देश्य परीक्षा प्रणाली को लीक-प्रूफ बनाने के लिए सुधारों की सिफारिश करना है। आज सुबह सरकार ने लोकसभा में पेपर लीक विरोधी कानून में संशोधन करने के लिए एक विधेयक पेश किया, जिसमें 10 साल तक की कैद और 50 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। यह कदम NEET परीक्षा घोटाले के खिलाफ देशव्यापी छात्र प्रदर्शनों के कुछ ही दिनों बाद उठाया गया है, जिसके चलते प्रधान को शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

## अस्पताल से राजघाट पहुंचे वांगचुक, बोले- बापू का रास्ता आज भी प्रासंगिक, शांति से रखें अपनी बात

**दिल्ली/गुरुग्राम।** कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने अपनी पत्नी गीतांजलि आंग्मो के साथ सोमवार को राजघाट पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद यहां पहुंचे थे। वांगचुक ने 26 दिन के उपवास और आंदोलन के समापन के बाद यह श्रद्धांजलि दी।

राजघाट पर श्रद्धांजलि देने के बाद उन्होंने अपने विचार साझा किए। वांगचुक ने कहा कि वह सबसे पहले महात्मा गांधी को याद करना चाहते थे। उन्होंने गांधीजी के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। उन्होंने देश को यह बताया कि गांधीजी का दिखाया रास्ता आज भी उतना ही सही और प्रासंगिक है जितना सौ साल पहले था। पिछले पांच-छह साल से वे लद्दाख में गांधीजी के इस तरीके को अपना रहे हैं। उन्होंने पाया कि यह तरीका बहुत सही और प्रासंगिक है। उन्हें पहले यकीन नहीं था कि यह राष्ट्रीय स्तर पर काम करेगा या नहीं।

### मैं देश के लोगों को बधाई देता हूं: सोनम वांगचुक

एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने राजघाट पर कहा कि मैं देश के युवाओं, आम लोगों और सभी नागरिकों को बधाई देना चाहता हूं। मैं बुजुर्गों, हर उम्र के लोगों और उन युवा आयोजकों को भी बधाई देता हूं, जिन्होंने इस आंदोलन को इतनी शांति से आगे बढ़ाया। हमें यह समझना होगा कि अगर कोई समाधान या कामयाबी मिली है, तो वह हमारी ताकत या लाठी-पत्थर के इस्तेमाल से नहीं मिली है। बल्कि, यह शांति की अपील और हमारी अपनी तकलीफों से मिली है।

### इस्तीफा तो बस शुरुआत: सोनम वांगचुक

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने कहा कि इस्तीफा तो बस शुरुआत है। अगर अब से इस मुद्दे को माना जाए और उस पर काम किया जाए, तो हमारा देश बेहतर बनेगा। मेरी नजर में यह प्रक्रिया पहले से ही चल रही है। अभी बातचीत चल रही है और मुझे उम्मीद है कि बहुत सकारात्मक बातचीत के ज़रिए देश के लिए सबसे सही रास्ता अपनाया जाएगा, जिससे हम आपसी सद्भाव से एक बेहतरीन सिस्टम लागू कर सकेंगे। पब्लिक एग्जामिनेशन अमेंडमेंट बिल पर वांगचुक ने कहा कि यह अच्छी बात है। इस पर चर्चा होनी चाहिए और अच्छी तरह सोच-विचार के बाद सही कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग शांति से विरोध कर रहे हैं, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। अगर शरारती तत्व बुरी नीयत से काम कर रहे हैं, तो हम यह नहीं कह सकते कि कुछ नहीं होगा। लेकिन, मैं यह साफ कर देना चाहता हूं कि शांतिपूर्ण विरोध हमारा संवैधानिक अधिकार है और इसका सम्मान किया जाना चाहिए। बाकी, कानून अपना काम करेगा। इस बार उन्हें यह देखकर भरोसा हुआ कि सौ साल बाद भी यह राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक है। वांगचुक ने कहा कि यह शायद आने वाले सौ या हजार साल तक भी ऐसा ही रहेगा।

## राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के आठ आरोपियों की न्यायिक हिरासत 10 अगस्त तक बढ़ाई गई

आर्यावर्त क्रांति

**अयोध्या।** 27 जुलाई राम मंदिर कथित चढ़ावा चोरी मामले के सभी आठ आरोपियों की न्यायिक हिरासत एक स्थानीय विशेष अदालत ने सोमवार को 14 दिनों के लिए बढ़ा दी। बचाव पक्ष के वकील ने यह जानकारी दी। बचाव पक्ष के वकील कुल शेखर सिंह ने बताया कि विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निरोधक) रजत वर्मा ने आरोपियों को जिला जेल से वस्तुतः अदालत में पेश किए जाने के बाद उनकी न्यायिक हिरासत 10 अगस्त तक बढ़ा दी।

ये आरोपी अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू हैं। पुलिस जांच के तहत उनसे पुलिस हिरासत के दौरान पूछताछ कर चुकी है। यह मामला अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में भक्तों द्वारा चढ़ाये गये चढ़ावे के कथित गबन से संबंधित है।

# हापुड़ के अस्पताल में लगी भीषण आग, इमरजेंसी वार्डों में पहुंचा धुआं... आईसीयू में फंसे मरीजों को कैसे बचाया गया?

आर्यावर्त संवाददाता

**हापुड़।** उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में गढ़ रोड स्थित देवनंदिनी अस्पताल में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों के बीच चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और राहत और बचाव अभियान शुरू किया। समय रहते सभी मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

अस्पताल में आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। आग के साथ उठे धुएं ने तेजी से अस्पताल की ऊपरी मंजिलों और आईसीयू तक पहुंचकर हालात गंभीर बना दिए। धुएं के कारण मरीजों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी, जिससे अस्पताल प्रशासन ने तुरंत मरीजों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी।

### आईसीयू और ऑपरेशन के मरीजों को सुरक्षित निकाला गया

अस्पताल में भर्ती गंभीर मरीजों, आईसीयू में इलाज करा रहे लोगों, नवजात शिशुओं और हाल ही में ऑपरेशन कराने वाली महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर बाहर निकाला गया। धुएं के कारण अस्पताल के भीतर दृश्यता बेहद कम हो गई थी, जिससे राहत कार्य में काफी मुश्किलें आईं। इसके बावजूद अस्पताल स्टाफ, पुलिस और फायर कर्मियों ने मिलकर सभी मरीजों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। आग रविवार-सोमवार दरमियानी रात लगी।

अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजन देवेंद्र सिंह ने बताया कि एक दिन पहले उनकी पत्नी ने बेटे को जन्म दिया था। नवजात आईसीयू में भर्ती था। जैसे ही उन्होंने अस्पताल में धुआं देखा, वह बिना देर किए अंदर दौड़ पड़े। उन्होंने पहले आईसीयू से अपने नवजात बेटे को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद वह अपनी पत्नी के कमरे में पहुंचे और ऑपरेशन के बाद चलने में असमर्थ पत्नी को व्हीलचेयर पर बैठाकर सीढ़ियों के रास्ते नीचे लेकर आए। उन्होंने बताया कि पूरे अस्पताल में धुआं भर चुका था और कुछ भी साफ दिखाई नहीं दे रहा था।

### फायर ब्रिगेड और पुलिस ने संभाला मोर्चा

आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने के साथ-साथ अस्पताल में फंसे मरीजों और उनके परिजनों को सुरक्षित बाहर निकाला। घने धुएं के बीच राहत अभियान चलाना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन टीम ने तत्परता दिखाते हुए सभी लोगों को सुरक्षित निकाल लिया।

### आग के कारणों की जांच जारी

घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग पर काबू पा लिया गया है और प्रशासन ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था और अग्निशमन उपकरणों की भी जांच की जा रही है।

# अद्वैत फाउंडेशन ने महिलाओं को 'अर्ली इंटरवेंशन' के प्रति किया जागरूक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**सुल्तानपुर।** दिव्यांगजनों के पुनर्वास और सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयासरत सामाजिक संस्था अद्वैत फाउंडेशन द्वारा दुबेपुर ब्लॉक के पकरी गांव में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था की प्रतिनिधि डॉ. अर्चना शुक्ला ने स्थानीय महिलाओं और माताओं को बच्चों में होने वाले 'अर्ली इंटरवेंशन' (प्रारंभिक हस्तक्षेप) और उसके समय रहते उपचार के महत्व से अवगत कराया।कार्यक्रम के दौरान डॉ. अर्चना शुक्ला ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि बच्चों में किसी भी प्रकार की शारीरिक, मानसिक या विकासात्मक दिव्यांगता/देरी का लक्षण शुरुआती दौर में ही पहचान लिया जाए, तो 'अर्ली इंटरवेंशन' तकनीक से उसमें काफी हद तक सुधार संभव है। उन्होंने महिलाओं को बच्चों के सही विकास की पहचान करने के आसान तरीके बताए और इसके लिए उपलब्ध चिकित्सीय एवं थेरेपी संबंधी उपचार की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. शुक्ला ने जोर देकर कहा कि जागरूकता के अभाव में कई बार अभिभावक बच्चों में शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे आगे चलकर समस्या गंभीर हो जाती है। समय पर सही परामर्श और उपचार मिलने से बच्चा सामान्य जीवन की ओर तेजी से बढ़ सकता है।अद्वैत फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी श्री आनंद सावरण जी के निर्देशन में दिव्यांगजनों के सर्वांगीण विकास और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है। संस्था द्वारा सुलतानपुर के विभिन्न क्षेत्रों और ग्रामीण इलाकों में लगातार ऐसे जागरूकता अभियानों का संचालन किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को समय रहते मदद मिल सके।कार्यक्रम में गांव की अनेक महिलाओं एवं स्थानीय गणमान्य लोगों ने भाग लिया और अद्वैत फाउंडेशन की इस पहल की सराहना की।इसके साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि अद्वैत फाउंडेशन के अंतर्गत स्पेक्ट्रम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस संचालित होता है, जिसमें स्पेशल कॉलेज,सीबीएसई (10+2) एकेडमी, फार्मेसी कॉलेज, त्रिवर्षीय लॉ कॉलेज और आईटीआई कॉलेज का सफल संचालन किया जा रहा है।

# कुड़वार नाग पंचमी मेले को लगा राजनीति का ग्रहण

आर्यावर्त संवाददाता

**कुड़वार सुल्तानपुर।** आजादी के पहले से रियासत काल से ही कुड़वार के पूरनतारा तालाब के पास लगने वाला नाग पंचमी मेला डेढ़ दशक पूर्व राजनीति का शिकार हो गया।ग्राम प्रधान के स्थान परिवर्तन की जिद पर ग्रामीणों से हुए विवाद के बाद कुछ वर्षों तक तो समाजसेवियों ने मेले का आयोजन कराया। लेकिन समय बदलने के साथ आयोजन पूरी तरह बंद हो गया। बता दे कि स्थानीय विकास खंड मुख्यालय के कस्बा कुड़वार के पूरन तारा नामक तालाब के पास आजादी के पहले रियासत काल से ही नाग पंचमी मेले का आयोजन होता रहा है।आजादी के बाद पंचायतों में चुने गए मुखिया के द्वारा इसे आयोजित किया जाता रहा है।मेले का मुख्य आकर्षण नागपंचमी के दिन दूसरे पहर में होने वाली लंबी कूद(अखाड़ा) व कुश्ती आदि होती थी।साथ ही कस्बे के बच्चों द्वारा यही गुड़िया पीटी जाती थी।लेकिन समय के साथ हुए बदलाव के बाद एक समय ऐसा आया कि वर्तमान प्रधान राजकुमार यादव को पूरन तारा पर मेला आयोजित करने के लिए जमीन कम पड़ गई और उनके द्वारा इसका आयोजन कस्बे के जूनियर हाई स्कूल मैदान में किया गया।वर्षों की परम्परा को बदलने के प्रयास पर ग्रामीणों से विवाद हो गया।और दोनों पक्षों से करीब डेढ़ दर्जन लोग आपराधिक मुकदमे के आरोपी बना दिए गए।विवाद के अगले वर्ष पुनः नाग पंचमी मेले के आयोजन को लेकर पुलिस व प्रशासन द्वारा मध्यस्थता की गई तो समाजसेवियों श्याम सुन्दर सिंह,दयाराम अग्रहरि सहित अन्य के सहयोग से पूरन तारा तालाब पर नाग पंचमी मेले का आयोजन हुआ।पंचायत की सत्ता परिवर्तन के बाद वर्ष 2010 में कुड़वार के प्रधान निर्वाचित हुए मिश्रीलाल कनौजिया द्वारा पूर्व प्रधान नौशाद अहमद के सानिध्य में लगातार 05 वर्ष आयोजन किया गया।

# एक जिद ने रिश्तों को किया लहूलुहान : महज सात साल के बेटे ने दिव्यांग पिता को गड़ासे से काटा, इस बात से था नाराज

आर्यावर्त संवाददाता

**गोंडा।** उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले से रिश्तों को लहूलुहान करने वाला मामला सामने आया है। देहात कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में जम्मू जाने से मना करने पर सात साल के बच्चे ने दिव्यांग पिता पर गड़ासे से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल पिता का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है।

रविवार दोपहर खेत में आम के पेड़ के नीचे आराम कर रहे पिता पर घर से गड़ासा लेकर पहुंचे बेटे ने ताबड़तोड़ वार कर दिए। चीखें सुनकर खेतों में काम कर रहे ग्रामीण पहुंचे और बच्चे के हाथ से गड़ासा छीना। परिजन घायल को मेडिकल कॉलेज ले गए। परिजनों के अनुसार बच्चे के पिता के भाई और उनकी पत्नी जम्मू में मजदूरी करते हैं। बेटा भी उनके साथ जम्मू जाने की जिद कर रहा था, लेकिन पिता ने मना कर दिया था। इसी बात से नाराज होकर उसने हमला किया। देहात कोतवाल शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### एक जिद ने रिश्तों को किया लहूलुहान

गोंडा के बेसियाचैन गांव में हुई घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि बिखरते पारिवारिक रिश्तों और बदलते सामाजिक माहौल की भी कहानी है। जिस पिता ने चार साल तक मां की कमी पूरी करते हुए दोनों बेटों का पालन-पोषण किया, उसी पर सात साल के बेटे ने गड़ासे से हमला कर दिया।

परिजनों के अनुसार, चार वर्ष पहले पीड़ित की पत्नी दोनों बेटों को छोड़कर कहीं चली गई थी। तब छोटे बेटे की उम्र महज तीन वर्ष थी। इसके बाद पिता ने ही दोनों बेटों की परवरिश की और उन्हें अपने से अलग नहीं होने दिया। जब छोटे बेटे ने चाचा-चाची के साथ जम्मू जाने की जिद की तो पिता ने उसे मना करते हुए डांट दिया। परिजनों का कहना है कि उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि मामूली विवाद इतना भयावह रूप ले लेगा और महज सात साल का बेटा अपने पिता पर गड़ासे से हमला कर देगा।

### व्यवहार में बदलाव को समय रहते पहचानें : मनोचिकित्सक

मेडिकल कॉलेज के मनोरोग विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नूपुर पाल का कहना है कि बच्चों के व्यवहार, बातचीत और भावनात्मक बदलावों पर अभिभावकों को लगातार नजर रखनी चाहिए। बच्चे परिवार के सदस्यों को अपना आदर्श मानते हैं और घर का माहौल उनके व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित करता है। बच्चों के सामने झगड़े, हिंसक व्यवहार या नकारात्मक बातचीत से बचना चाहिए। इसके साथ ही मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम्स के बढ़ते प्रभाव पर भी निगरानी जरूरी है। हिंसक और आक्रामक सामग्री बच्चों की सोच व व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। यदि बच्चा बार-बार गुस्सा करे, जिद्दी हो जाए, अलग-थलग रहने लगे या असामान्य व्यवहार दिखाए तो परिवार को समय रहते उससे संवाद करना चाहिए।

# पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने डॉ. कलाम को किया याद, दी श्रद्धांजलि

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**सुल्तानपुर।** भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति एवं 'मिसाइल मैन' डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा, शहर अध्यक्ष शकील अंसारी सहित पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यालय में गोष्ठी आयोजित कर डॉ. कलाम के प्रेरणादायी व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि भारत रत्न एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जीवन देश के हर नागरिक, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने साधारण परिवार से निकलकर अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर विश्वभर में भारत का गौरव बढ़ाया। एक महान वैज्ञानिक के रूप में उन्होंने देश की रक्षा क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और राष्ट्रपति के रूप में अपनी सादगी, ईमानदारी तथा संवेदनशीलता से करोड़ों लोगों का दिल जीता। डॉ. कलाम का मानना था कि बड़े सपने देखने वाले ही बड़े लक्ष्य हासिल करते हैं, इसलिए उन्होंने युवाओं को शिक्षा, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के लिए सदैव प्रेरित किया, उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, विज्ञान और मानवता के प्रति समर्पित रहा। आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों, विचारों और मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएं तथा एक मजबूत, शिक्षित, वैज्ञानिक सोच वाले और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। डॉ. कलाम का व्यक्तित्व और कृतित्व सदैव देशवासियों का मार्गदर्शन करता रहेगा। शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने कहा कि डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम केवल महान वैज्ञानिक ही नहीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के प्रेरणास्रोत थे, उनका सादगीपूर्ण जीवन, ईमानदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण हम सभी के लिए अनुकरणीय है, उनके विचारों को आत्मसात कर ही देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। कांग्रेस नेता सुब्रत सिंह सनी ने कहा कि डॉ. कलाम ने अपने कार्यों से यह सिद्ध किया कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच के बल पर कोई भी व्यक्ति देश और समाज के लिए बड़ी भूमिका निभा सकता है, उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के आदर्शों पर चलने तथा राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया।

### निषाद पार्टी का भाजपा विधायक कार्यालय पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन

**लंभुआ,सुलतानपुर।** निषाद पार्टी ने सोमवार को लम्भुआ स्थित भाजपा विधायक सीताराम वर्मा के जनसंपर्क कार्यालय पर प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय सचिव केस कुमारी निषाद के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने निषाद समाज के लिए आरक्षण की मांग को लेकर विधायक को ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान कार्यकर्ता पारंपरिक लाल टोपी और पार्टी का झंडा लिए हुए थे। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक से मुलाकात कर निषाद समाज और क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं से संबंधित ज्ञापन भी सौंपा।

प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर लम्भुआ कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धीरज कुमार सिंह एवं कई पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद रहे। पुलिस की मौजूदगी में प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। राष्ट्रीय सचिव केस कुमारी निषाद ने बताया कि डॉ. संजय कुमार निषाद के निर्देश पर यह अभियान प्रदेश के सभी 75 जिलों में चलाया जा रहा है।

# वाराणसी में नर्सरी के बच्चे को नहीं दी बाथरूम जाने की इजाजत, पैंट में किया टॉयलेट तो टीचर ने गर्म चाकू से जलाया बच्चे का प्राइवेट पार्ट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**वाराणसी।** स्कूल में शिक्षक और बच्चों के बीच बेहतर संवाद के साथ शिक्षा का अनुकूल माहौल सबसे अधिक आवश्यक माना जाता है। हालांकि, वाराणसी के पांडेपुर क्षेत्र में नर्सरी के एक बच्चे के साथ शिक्षिका ने ऐसा बर्ताव किया, जिसने हैवानियत की भी सारी सीमाएं पार कर दीं। नर्सरी के बच्चे ने बाथरूम जाने की अनुमति न मिलने पर अपनी पैंट में ही टॉयलेट कर दिया, जिसके बाद गुस्से में आकर शिक्षिका ने चाकू को आग से लाल करके बच्चे का प्राइवेट पार्ट ही जला दिया।

जानकारी के अनुसार, वाराणसी के पांडेपुर क्षेत्र स्थित एक निजी विद्यालय में केसरी कुमार का बेटा नर्सरी में पढ़ता है। बच्चे को जब टॉयलेट जाना था तो उसने अपनी शिक्षिका प्रीति कुशवाहा से बाथरूम जाने की अनुमति मांगी। मना करने पर बच्चे ने पैंट में ही टॉयलेट कर दिया।

इसके बाद टीचर गुस्से में बच्चे को दूसरे कमरे में ले गई और चाकू को गर्म करके बच्चे का प्राइवेट पार्ट जला दिया। इसके बाद भी वह नहीं रुकी और बच्चे की पिटाई कर दी। उस मासूम को इस बात के लिए भी शिक्षिका द्वारा धमकाया गया कि दोबारा ऐसी गलती न करे।

### बच्चे ने बताई कहानी

घर पहुंचकर जब बच्चे ने अपने परिजनों को पूरी घटना बताई, तो वे अवाक रह गए। इस मामले में पिता ने स्कूल से संपर्क कर ऐसा करने की वजह पूछी, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। बच्चे के स्वास्थ्य को लेकर माता-पिता बेहद चिंतित हो गए। इसके बाद उन्होंने निकटतम थाने में जाकर मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने संज्ञान लेते हुए शिक्षिका प्रीति कुशवाहा, स्कूल प्रबंधन और प्रधानाचार्य के खिलाफ BNS की धारा 115(2), 118(1) और 351(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

# सौर मिनी कोल्ड स्टोरेज किसानों की आय बढ़ाने में होगा मददगार : देवमणि द्विवेदी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

**सुल्तानपुर।** किसानों की उपज को सुरक्षित रखने तथा फसल के नुकसान को कम करने के उद्देश्य से स्वामी विवेकानंद सामाजिक शैक्षिक संस्थान (स्वविश्वास संस्थान) एवं विलग्रो के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को कृषि भवन, अमहट के सभागार में ₹सौर मिनी कोल्ड स्टोरेज इकोसिस्टम₹ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ लंभुआ के पूर्व विधायक देवमणि द्विवेदी, उप कृषि निदेशक सुरेंद्र प्रताप सिंह तथा जिला उद्यान अधिकारी राम अकबाल यादव ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कार्यक्रम में विलग्रो संस्था के स्टेट मैनेजर अमित कुमार सिंह ने किसानों को सौर ऊर्जा आधारित मिनी कोल्ड स्टोरेज की उपयोगिता एवं इसके विकास की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 5, 10 एवं 20 मीट्रिक टन क्षमता वाले सौर ऊर्जा संचालित मिनी कोल्ड स्टोरेज स्थापित करने के लिए किसानों को तकनीकी एवं वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे फल एवं सब्जियों का सुरक्षित भंडारण संभव हो सकेगा।

मुख्य अतिथि पूर्व विधायक देवमणि द्विवेदी ने कहा कि यह योजना किसानों के लिए एक सुनहरा अवसर है। उन्होंने एफपीओ प्रतिनिधियों से अपील की कि वे लघु एवं सीमांत किसानों को इस योजना से जोड़कर सौर मिनी कोल्ड स्टोरेज के लाभों की जानकारी दें। इससे फलों एवं सब्जियों की बर्बादी रुकेगी और किसानों की आय में वृद्धि होगी।

कार्यशाला में जनपद के विभिन्न एफपीओ, प्रगतिशील किसान, कृषि उद्यमी एवं विभागीय अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए आधुनिक भंडारण तकनीकों की जानकारी भी साझा की।

### अनियंत्रित कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर, एक की मौत

**सुल्तानपुर।** जिले के बंधुआ कला थाना क्षेत्र में अनियंत्रित अज्ञात कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी।गम्भीर हालत में बाइक सवारों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया।जहां चिकित्सक ने एक को मृत घोषित कर दिया।जबकि दूसरे का इलाज चल रहा है।

सोमवार को बंधुआ कला थाना क्षेत्र में दादूपुर गांव के पास लखनऊ वाराणसी हाईवे पर अनियंत्रित अज्ञात कार ने बाइक सवार वली मोहम्मद(60)पुत्र सलामत उल्ला व लईक अहमद (45)पुत्र बशीर निवासीगण मवैया थाना कुड़वार को टक्कर मारते हुए सुल्तानपुर की तरफ भाग गई।राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया।जहां चिकित्सक ने वली मोहम्मद को मृत घोषित कर शव मर्चुरी में रखवा दिया।दूसरे घायल लइक का इलाज चल रहा है।

# पुलिस की प्रभावी कार्यशैली से गुमशुदाओं की तलाश और बरामदगी में उल्लेखनीय सफलता

आर्यावर्त संवाददाता

**बल्दीराय/सुल्तानपुर।** उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप जनसुरक्षा, संवेदनशील पुलिसिंग और त्वरित कार्रवाई को प्राथमिकता देते हुए थाना धनपतगंज पुलिस ने वर्ष 2026 में गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश एवं बरामदगी के मामलों में सराहनीय सफलता प्राप्त की है। थाना प्रभारी अंजू मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम लगातार सक्रियता और मानवीय दृष्टिकोण के साथ कार्य कर रही है, जिससे आमजन का पुलिस पर विश्वास और मजबूत हुआ है।

थाना धनपतगंज द्वारा जारी पुलिस पत्रिका के अनुसार, 1 जनवरी 2026 से अब तक वर्ष 2025 की लंबित 4 गुमशुदगी के मामलों का सफल निस्तारण करते हुए सभी 4 व्यक्तियों को बरामद कर लिया गया है। इसी प्रकार वर्ष 2026 में दर्ज 14 बालक-बालिकाओं की गुमशुदगी में से 14 की सकुशल बरामदगी कर शत-प्रतिशत सफलता हासिल की गई है।

इसके अतिरिक्त वर्ष 2026 में दर्ज 11 महिलाओं की गुमशुदगी में से 10 महिलाओं को सकुशल बरामद कर लिया गया है, जबकि एक मामले में पुलिस की तलाश लगातार जारी है।

वहीं 15 पुरुषों की पंजीकृत गुमशुदगी में से 12 व्यक्तियों को बरामद कर उनके परिजनों से मिलाया जा चुका है तथा शेष 3 व्यक्तियों की तलाश के लिए पुलिस टीमें निरंतर प्रयासरत हैं।

थाना प्रभारी अंजू मिश्रा ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक गुमशुदगी प्रकरण को गंभीरता से लिया जाता है। आधुनिक तकनीक, मुखबिर तंत्र और सतत पुलिसिंग के माध्यम से गुमशुदा व्यक्तियों की शीघ्र खोज कर उन्हें सुरक्षित उनके परिजनों तक पहुंचाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्थानीय लोगों ने धनपतगंज पुलिस की सक्रियता, संवेदनशील कार्यशैली और त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए इसे जनविश्वास बढ़ाने वाली पहल बताया है। पुलिस का कहना है कि भविष्य में भी कानून-व्यवस्था के साथ-साथ जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इसी प्रकार प्रभावी पुलिसिंग जारी रहेगी।

# ऑनलाइन समीक्षा बैठकों में लापरवाही पर सख्ती, सीएम ने तय की जवाबदेही, अब अफसरों की उपस्थिति होगी अनिवार्य

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जवाबदेह, अनुशासित और परिणामोन्मुख प्रशासन की दिशा में बेसिक शिक्षा विभाग ने ऑनलाइन समीक्षा व्यवस्था को और अधिक सख्त बना दिया है। अब निदेशालय स्तर पर आयोजित प्रत्येक ऑनलाइन समीक्षा बैठक में मंडल स्तर से सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) तथा जनपद स्तर से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की अनिवार्य सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी। अनुपस्थिति या अनधिकृत प्रतिनिधित्व की गुंजाइश नहीं होगी। इस संबंध में शिक्षा निदेशक (बेसिक) अनिल भूषण चतुर्वेदी ने सभी सहायक शिक्षा निदेशकों (बेसिक) और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं।

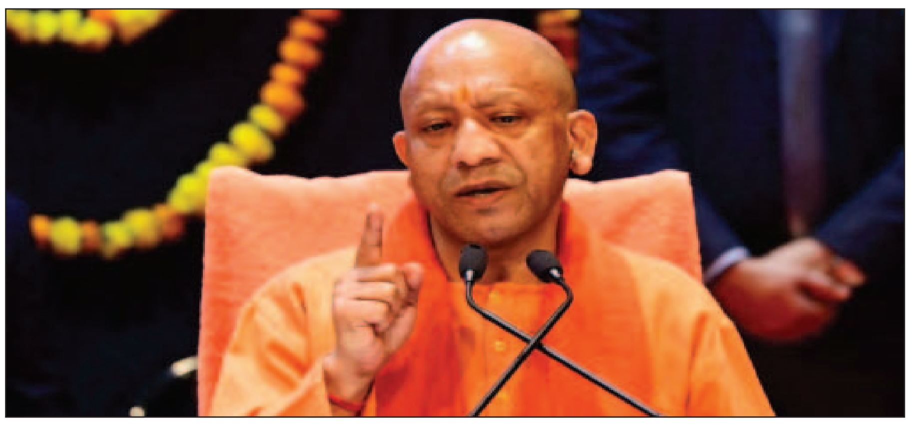

निर्देशों में कहा गया है कि समय-समय पर आयोजित महत्वपूर्ण ऑनलाइन समीक्षा बैठकों में कई जनपदों से अपेक्षित स्तर की सहभागिता नहीं हो रही थी। कई मामलों में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी स्वयं बैठक में शामिल नहीं होते थे और न ही किसी अधिकृत वरिष्ठ अधिकारी की उपस्थिति सुनिश्चित होती थी।

इसे प्रशासनिक जवाबदेही के अनुरूप नहीं मानते हुए अब स्पष्ट व्यवस्था लागू की गई है। सभी अधिकारी केवल अपनी आधिकारिक ई-मेल आईडी के माध्यम से ही बैठक में शामिल होंगे, जिससे प्रतिभागियों की पहचान सुनिश्चित होगी और समीक्षा प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनेगी।

### अधिकारी स्वयं होंगे बैठक में शामिल

नए निर्देशों के अनुसार प्रत्येक ऑनलाइन समीक्षा बैठक में मंडल स्तर से सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) तथा जनपद स्तर से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी स्वयं प्रतिभाग करेंगे। यदि किसी अपरिहार्य शासकीय कारण से वे उपस्थित नहीं हो सकते हैं, तो अपने स्थान पर किसी वरिष्ठ अधीनस्थ अधिकारी को विधिवत अधिकृत कर बैठक में भेजेंगे, ताकि किसी भी मंडल अथवा जनपद का प्रतिनिधित्व प्रभावित न हो।

### एक जनपद से एक ही अधिकृत लॉगिन

निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि एक ही जनपद या मंडल से अलग-अलग डिवाइस और अलग-अलग आईडी से बैठक में जुड़ने की व्यवस्था स्वीकार नहीं होगी। यदि एक से अधिक अधिकारियों की उपस्थिति आवश्यक हो तो सभी अधिकारी एक ही स्थान पर बैठकर एक अधिकृत लॉगिन आईडी के माध्यम से बैठक में शामिल होंगे। इससे तकनीकी अव्यवस्था समाप्त होगी और समीक्षा अधिक सुव्यवस्थित बनेगी।

### जवाबदेही के साथ तेज होगा क्रियान्वयन

बेसिक शिक्षा विभाग का मानना है कि वरिष्ठ अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति से समीक्षा बैठकों की गुणवत्ता बेहतर होगी, निर्णयों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित होगा और शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप योजनाओं की निगरानी तथा क्रियान्वयन में और अधिक गति आएगी।

# रेमेडी कैंसर केयर ने 2000 से अधिक मरीजों का किया उपचार

**आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो**

**लखनऊ।** नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार जनस्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह सुनिश्चित कर रही है कि आर्थिक तंगी किसी भी जरूरतमंद मरीज के इलाज में बाधा न बने। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना और मुख्यमंत्री सहायता कोष के माध्यम से लाखों परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है।रविवार को विजय खंड स्थित रेमेडी कैंसर केयर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे मंत्री ए.के. शर्मा ने संस्थान के चिकित्सकों, चिकित्सा कर्मियों और पूरे स्टाफ को समाज सेवा के प्रति उनके समर्पण के लिए बधाई दी। उन्होंने युवा डॉक्टरों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि किसी मरीज का जीवन बचाना सबसे बड़ा मानवीय और पुण्य का कार्य है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू हुई आयुष्मान भारत योजना के तहत जरूरतमंद परिवारों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं मुख्यमंत्री सहायता कोष के माध्यम से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को समय पर आर्थिक सहायता देकर उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है।मंत्री ने रेमेडी कैंसर केयर की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान ने आयुष्मान भारत योजना और मुख्यमंत्री सहायता कोष के अंतर्गत 2000 से अधिक मरीजों का सफल उपचार कर समाज सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे चिकित्सा संस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।ए.के. शर्मा ने चिकित्सकों से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में नियमित स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने का आह्वान किया।

# गुरु पूर्णिमा पर गोरखनाथ मंदिर में गुरु परंपरा का भव्य आयोजन, महायोगी गोरखनाथ का पूजन कर शिष्यों को आशीर्वाद देंगे आदित्यनाथ

**आर्यावर्त संवाददाता**

**लखनऊ।** गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गोरखनाथ मंदिर एक बार फिर सनातन संस्कृति और नाथपंथ की गुरु-शिष्य परंपरा का साक्षी बनेगा। 29 जुलाई (बुधवार) को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंदिर में आयोजित होने वाले पारंपरिक गुरु पूर्णिमा महोत्सव में गुरु और शिष्य दोनों भूमिकाओं का निर्वहन करेंगे। वह पहले महायोगी गोरखनाथ सहित गोरक्षपीठ की गुरु परंपरा के सभी आचार्यों का विधि-विधान से पूजन करेंगे और इसके बाद अपने शिष्यों तथा श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान करेंगे।गोरक्षपीठ के लिए गुरु पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि सदियों पुरानी गुरु-शिष्य परंपरा का सबसे महत्वपूर्ण आयोजन माना जाता है। नाथ संप्रदाय में गुरु को ईश्वर के समान स्थान प्राप्त है और इसी परंपरा के निर्वहन के लिए प्रत्येक वर्ष गुरु पूर्णिमा पर

विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी योगी आदित्यनाथ इस परंपरा का निर्वहन करते हुए हर वर्ष गुरु पूर्णिमा पर गोरखनाथ मंदिर पहुंचते हैं।गुरु पूर्णिमा के दिन प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर में धार्मिक कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। योगी आदित्यनाथ सबसे पहले महायोगी गोरखनाथ का विशेष पूजन करेंगे और परंपरा के अनुसार रोट अर्पित करेंगे। इसके बाद मंदिर परिसर में स्थित सभी देवी-देवताओं के विग्रहों तथा नाथ परंपरा के महंतों की समाधियों पर श्रद्धा अर्पित की जाएगी। सामूहिक आरती के साथ पूजा-अर्चना का यह चरण पूर्ण होगा।धार्मिक अनुष्ठानों के बाद गोरक्षपीठाधीश्वर अपने शिष्यों और श्रद्धालुओं के बीच पहुंचेंगे। परंपरा के अनुसार शिष्य तिलक लगाकर अपने गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। इसके उपरांत योगी आदित्यनाथ श्रद्धालुओं को आशीर्वचन देंगे तथा मंदिर परिसर में विशाल सहभोज (भंडारा) का आयोजन होगा। इसी दिन 23 जुलाई से चल रही सप्तदिवसीय श्रीराम कथा का भी पूर्णाहुति समारोह संपन्न होगा।गोरक्षपीठ का इतिहास गुरु-शिष्य परंपरा और लोककल्याण से जुड़ा रहा है। महायोगी गोरखनाथ द्वारा स्थापित इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गोरक्षपीठ के विभिन्न पीठाधीश्वरों ने समाज सेवा, शिक्षा, चिकित्सा और योग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ने शिक्षा के क्षेत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना कर सामाजिक जागरण का अभियान शुरू किया, जिसे उनके उत्तराधिकारी ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ ने विस्तार दिया। वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने शिक्षा, चिकित्सा, योग और सेवा के इन प्रकल्पों को और व्यापक स्वरूप प्रदान किया है।

# भाजपा में बढ़े दावेदार, सबसे अधिक चर्चा में ये नाम, ब्लॉक प्रमुख तक भी शामिल, अगस्त-सितंबर में चौथा सर्वे

**आर्यावर्त संवाददाता**

**लखनऊ।** भाजपा के तीसरे सर्वे में देहात विधानसभा सीट से भले ही तीन दावेदारों के नाम सामने आए हो लेकिन अब आधा दर्जन से ज्यादा नाम चर्चाओं में आ गए हैं। दावेदारों में महानगर कमेटी के वर्तमान और पूर्व पदाधिकारी शामिल हैं।

वहीं कांठ, बिलारी और ठाकुरद्वारा सीट से कुछ नए दावेदार सामने आए हैं। जबकि मुरादाबाद नगर और कुंदरकी सीट से अभी कोई नए नाम सामने नहीं आए हैं। भाजपा का चौथा सर्वे अगस्त-सितंबर में शुरू होगा। विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों के चयन के लिए भाजपा तीन सर्वे करा चुकी है। तीन चरणों में जिले की छह विधानसभा सीटों के लिए 20 दावेदारों के नाम सबसे ज्यादा चर्चा में सामने आए हैं। मुरादाबाद नगर, देहात, कुंदरकी, ठाकुरद्वारा में तीन-तीन और कांठ-बिलारी में चार-चार नाम लोगों के बीच चर्चा में है। इसमें मौजूदा विधायकों से लेकर ब्लॉक प्रमुख तक के नाम शामिल हैं। पहला सर्वे जनवरी में कराया गया था। जबकि दूसरा सर्वे मार्च के आखिरी हफ्ते में शुरू किया गया था। वहीं तीसरा सर्वे जून में हुआ था। इन तीन सर्वे में मुरादाबाद देहात विधानसभा सीट पर तीन नाम चर्चा में रहे। इसमें 2022 में चुनाव लड़ चुके डॉ. केके मिश्रा, पूर्व महानगर महामंत्री श्याम बिहारी मिश्रा और क्षेत्रीय अनुसूचित मोर्चा के उपाध्यक्ष रजनीकांत जाटव शामिल रहे। अब तीन सर्वे के बाद देहात विधानसभा सीट से दावेदारों की संख्या बढ़ने लगी है। भाजपा से जुड़े आधा दर्जन से ज्यादा दावेदारों के नाम सामने आए हैं। इन दावेदारों में भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष, मंत्री और दो महानगर मंत्री शामिल हैं। टिकट की दावेदारी करने का अधिकार सभी को है। पार्टी स्तर पर अभी दावेदारों के आवेदन नहीं लिए जा रहे हैं। टिकट का फैसला प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर होते हैं।- आकाश पाल, भाजपा जिलाध्यक्ष

### मुरादाबाद देहात सीट से ये हैं दावेदार

पूर्व महानगर अध्यक्ष धर्मेंद्रनाथ मिश्रा, पूर्व महानगर मंत्री शशि किरण जाटव, महानगर मंत्री सुनीता शर्मा, महानगर मंत्री वनीता मेहरोत्रा आदि शामिल हैं।

### इनके नामों की भी दावेदारों में चर्चा

कांठ विधानसभा सीट से धर्मपाल सिंह, जयवर्द्धन सिंह।

बिलारी सीट से विश्वास यादव लवली, नरेश यादव।

ठाकुरद्वारा सीट से गौरव चौहान, भानु प्रताप सिंह।

### तीसरे सर्वे में इनके नामों पर रही थी ज्यादा चर्चा

नगर विधानसभा क्षेत्र : विधायक रितेश गुप्ता, पूर्व महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला।

देहात विधानसभा क्षेत्र : डॉ. केके मिश्रा, श्याम बिहारी मिश्रा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा रजनीकांत जाटव।

कांठ विधानसभा क्षेत्र : पूर्व विधायक राजेश कुमार सिंह चुन्नू, ब्लॉक प्रमुख डिलारी पूनम चौधरी, जिला पंचायत सदस्य विनोद सैनी, राजपाल सिंह (छजलैट ब्लॉक प्रमुख के पति)

बिलारी विधानसभा क्षेत्र : परमेश्वर लाल सैनी, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेश सैनी, बिलारी नगर पालिका के चेयरमैन रघुराज सिंह यादव, ऋषिपाल चौधरी।

कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र : विधायक रामवीर सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली सिंह, किसान मोर्चा के क्षेत्रीय महामंत्री दिनेश ठाकुर।

# यासीनगंज गोलीकांड का खुलासा, जानलेवा फायरिंग के पांच आरोपी गिरफ्तार

**आर्यावर्त संवाददाता**

**लखनऊ।** सआदतगंज थाना क्षेत्र के यासीनगंज में 24 जुलाई को हुई गोलीकांड की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए पांच वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त .32 बोर की अवैध देशी पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस, एक मोटरसाइकिल और एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया है। पूछताछ में मुख्य आरोपी ने इसी हथियार से फायरिंग करने की बात स्वीकार की है, जिसके बाद उसके खिलाफ शस्त्र अधिनियम की धारा भी बढ़ा दी गई है।पुलिस के अनुसार 24 जुलाई को यासीनगंज मोहल्ले में अब्दुल खान पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई गई थी। इस मामले में सआदतगंज थाने में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर दो विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया था। जांच, मुखबिर की सूचना और लगातार दबिश के बाद पुलिस ने घटना में शामिल सभी पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने बताया कि पहली टीम ने 26 जुलाई को तिल्ली मिल मैदान के पास से वली शाह, अब्दुल रहमान और मोहम्मद साहिल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद दूसरी टीम ने 27 जुलाई को कोठारी बंधु चौराहे के पास लाल पैथोलॉजी के समीप से मुख्य आरोपी अमान अली उर्फ मुन्ना कुरैशी और उसके साथी मोहम्मद अमन को दबोच लिया।मुख्य आरोपी अमान अली उर्फ मुन्ना कुरैशी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त .32 बोर की देशी पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए। वहीं मौके से वारदात में प्रयुक्त सफेद रंग की पल्सर एनएस-125 मोटरसाइकिल और एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी पुलिस ने कब्जे में लिया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि गोलीकांड में इसी हथियार का इस्तेमाल किया गया था।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में वली शाह, अब्दुल रहमान, मोहम्मद साहिल, अमान अली उर्फ मुन्ना कुरैशी और मोहम्मद अमन शामिल हैं। इनमें से कई आरोपियों के खिलाफ पहले से मारपीट, जानलेवा हमला, धमकी और अन्य आपराधिक मामलों के कई मुकदमे विभिन्न थानों में दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है।पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि शहर में अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

# 716 करोड़ रुपये के नए औद्योगिक निवेश को मिली मंजूरी, छह बड़ी परियोजनाओं को जारी होगा लेटर ऑफ कंफर्ट

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में औद्योगिक निवेश को गति देने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 के तहत छह बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं को लेटर ऑफ कंफर्ट (एलओसी) जारी करने की मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से प्रदेश में 716 करोड़ रुपये से अधिक का नया औद्योगिक निवेश होगा और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार अधिकृत समिति की संस्तुतियों के आधार पर छह औद्योगिक इकाइयों को इस योजना के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान की गई है।

# डायना कैफे के विवाद ने लिया हिंसक मोड़, बीच-बचाव करने वाले युवक पर फायरिंग; दोस्त के पैर में लगी गोली

**आर्यावर्त संवाददाता**

**लखनऊ।** राजधानी के कैसरबाग क्षेत्र में देर रात एक कैफे में हुए मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। बीच-बचाव करने वाले युवक और उसके साथियों पर कुछ लोगों ने कथित तौर पर हमला कर फायरिंग कर दी, जिसमें एक युवक के पैर में गोली लग गई। घायल को तत्काल केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार घटना 26/27 जुलाई की दरमियानी रात लगभग एक बजे की है। पीर जलील, खटिकाना निवासी हर्षित सोनकर ने कैसरबाग थाने में तहरीर देकर बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ डायना कैफे गया था। वहां कैफे संचालक और कुछ व्यक्तियों के बीच विवाद हो रहा था। हर्षित ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि विवाद में शामिल लोगों ने उसे धमकी देकर वहां से चले गए।शिकायत के मुताबिक, कुछ देर बाद जब हर्षित अपने दोस्तों के साथ स्कूटी से लौट रहा था, तभी रतन स्क्वायर के पास पहले से घात लगाए बैठे उन्हीं लोगों ने उन्हें रोक लिया। वहां दोनों पक्षों के बीच फिर कहासुनी और गाली-गलौज हुई। आरोप है कि इसी दौरान सिराज और रिजवान नामक व्यक्तियों ने हर्षित पर फायरिंग कर दी। गोली हर्षित को न लगकर उसके साथ मौजूद मित्र अनस के बाएं पैर में जा लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के तुरंत बाद घायल अनस को उपचार के लिए केजीएमयू मेडिकल कॉलेज के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत स्थिर है और वह खतरे से बाहर है।

## • संक्षेप •

### शारदा नहर में मिला केबल कर्मी का शव, तीन-चार दिन पहले नशे की हालत में लापता हुआ था

**लखनऊ।** राजधानी के पारा क्षेत्र में रविवार सुबह शारदा नहर से एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही थाना पारा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नहर से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। मृतक की पहचान सीतापुर जनपद के महोली निवासी धर्मेन्द्र गौतम के रूप में हुई है, जो लखनऊ में रहकर केबल बिछाने का कार्य करता था।पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि धर्मेन्द्र गौतम शराब पीने का आदी था। परिजनों ने पुलिस को बताया कि करीब तीन से चार दिन पहले वह तिकुनिया क्षेत्र के पास शराब के नशे में पड़ा हुआ देखा गया था। आशंका जताई जा रही है कि नशे की हालत में उसका संतुलन बिगड़ गया और वह शारदा नहर में गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई।मृतक के भाई रवि गौतम ने अपने स्तर पर उसकी काफी तलाश की थी, लेकिन इस संबंध में पुलिस को कोई सूचना नहीं दी गई थी। रविवार सुबह पुराना पुल के पास शारदा नहर में शव तैरता दिखाई देने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही थाना पारा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर उसकी शिनाख्त कराई। पहचान होने के बाद परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला नहर में गिरने से हुई मौत का प्रतीत हो रहा है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। मौके पर कानून-व्यवस्था पूरी तरह सामान्य रही और किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति नहीं बनी।

### आम के बाग में पेड़ से लटका मिला युवक का शव, फांसी लगाकर आत्महत्या की आशंका

**लखनऊ।** राजधानी के काकोरी क्षेत्र में रविवार सुबह एक युवक का शव आम के बाग में पेड़ से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही थाना काकोरी पुलिस मौके पर पहुंची और फील्ड यूनिट को बुलाकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।पुलिस के अनुसार रविवार सुबह करीब 7:45 बजे सूचना मिली कि दुर्गागंज चौराहे से आगे मलिहाबाद रोड किनारे स्थित आम के बाग में एक युवक ने फांसी लगा ली है। सूचना पर तत्काल पहुंची पुलिस ने देखा कि युवक का शव आम के पेड़ से चारपाई की निवार के फंदे के सहारे लटका हुआ था।मृतक की पहचान रोहित रावत उर्फ बउवा (25) पुत्र कालू रावत, निवासी दुर्गागंज, थाना काकोरी के रूप में हुई। पुलिस ने परिजनों और ग्रामीणों की मौजूदगी में घटनास्थल की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराई तथा फील्ड यूनिट द्वारा साक्ष्य संकलित किए गए।

### भरण-पोषण मामले में गैर जमानती वारंट पर 40 वर्षीय वारंटी गिरफ्तार

**लखनऊ।** पारिवारिक न्यायालय द्वारा जारी गैर जमानती वारंट के अनुपालन में अलीगंज थाना पुलिस ने रविवार को भरण-पोषण से जुड़े एक मामले में वांछित वारंटी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया जा रहा है।पुलिस के अनुसार 05वें प्रधान न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय, लखनऊ द्वारा वाद संख्या 1908/2022 में धारा 125 दंड प्रक्रिया संहिता (भरण-पोषण प्रकरण) के तहत गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। इसी के अनुपालन में थाना अलीगंज पुलिस ने अहिबरनपुर निवासी दुर्गेश (40) पुत्र मोहन लाल को उसके घर से गिरफ्तार किया।गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने वारंटी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।इस कार्रवाई को उपनिरीक्षक धीरेन्द्र कुमार मिश्र एवं आरक्षी सुशील कुमार की टीम ने अंजाम दिया। पुलिस का कहना है कि न्यायालय से जारी वारंटों के शत-प्रतिशत अनुपालन के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

# छात्रों पर लाठीचार्ज और पैलेट गन चलाने का आरोप, डिम्पल यादव ने गृह मंत्री से संसद में जवाब मांगा

**आर्यावर्त संवाददाता**

**लखनऊ।** समाजवादी पार्टी की मैनपुरी सांसद डिम्पल यादव ने छात्र आंदोलनों पर हुई कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के शासन में छात्रों के साथ बर्बरता की गई और शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं पर अत्याचार किया गया। उन्होंने इस पूरे मामले में केंद्रीय गृह मंत्री से संसद में जवाब देने की मांग की।संसद परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान डिम्पल यादव ने आरोप लगाया कि अहिंसक आंदोलन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया, पैलेट गन का इस्तेमाल हुआ और कील लगी लाठियों से उन्हें पीटा गया। उन्होंने दावा किया कि इस कार्रवाई में छात्राओं के साथ भी दुर्व्यवहार हुआ और उनके कपड़े तक फाड़े गए। उन्होंने सवाल उठाया कि इन घटनाओं की जिम्मेदारी कौन लेगा और दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई होगी।सपा सांसद ने बिहार का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि वहां आंदोलनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस ने एके-47 का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार छात्रों और युवाओं के खिलाफ लगातार एफआईआर दर्ज कर रही है, उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है और डराने-धमकाने का प्रयास किया जा रहा है।डिम्पल यादव ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन कर रही है और लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता छीनने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का रवैया लोकतंत्र और संविधान की भावना के विपरीत है।

# एथेनॉल मिश्रित ईंधन नीति पर कांग्रेस का हमला, अजय राय ने प्रधानमंत्री से नितिन गडकरी और हरदीप पुरी को बर्खास्त करने की मांग की

**आर्यावर्त संवाददाता**

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने एथेनॉल मिश्रित ईंधन (ई20) नीति को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को तत्काल पद से हटाने और पूरी नीति की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस का आरोप है कि एथेनॉल मिश्रित ईंधन नीति अपने घोषित उद्देश्यों को पूरा करने में विफल रही है और इससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।अजय राय ने पत्र में कहा कि उन्होंने पहले भी एथेनॉल मिश्रित ईंधन नीति के वैज्ञानिक, आर्थिक,

पर्यावरणीय और उपभोक्ता हितों से जुड़े पहलुओं पर स्वतंत्र वैज्ञानिक परीक्षण, पूर्ण पारदर्शिता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग की थी। उनका आरोप है कि सरकार ने न तो उस पत्र का कोई सार्वजनिक जवाब दिया और न ही इस दिशा में कोई निर्णय लिया। इसके विपरीत सरकार ई20 के बाद ई85 और ई100 जैसे ईंधनों की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिससे करोड़ों वाहन उपभोक्ताओं की चिंताओं की अनदेखी होने की आशंका बढ़ी है।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सरकार ने दावा किया था कि एथेनॉल मिश्रण से कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम होगी, किसानों को लाभ मिलेगा और उपभोक्ताओं को सस्ता ईंधन उपलब्ध होगा। लेकिन वर्तमान स्थिति में एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल भी लगभग उसी कीमत पर मिल रहा है, जिस कीमत पर पहले सामान्य पेट्रोल उपलब्ध था। उनका कहना है कि इससे उपभोक्ताओं को अपेक्षित लाभ नहीं मिल सका।पत्र में यह भी कहा गया है कि पहले यदि पेट्रोल में किसी प्रकार की मिलावट पाई जाती थी तो उसकी जिम्मेदारी संबंधित पेट्रोल पंप की होती थी, लेकिन अब जब तेल कंपनियां स्वयं एथेनॉल मिश्रण कर रही हैं तो माइलेज में कमी, इंजन की खराबी या तकनीकी समस्याओं की जिम्मेदारी तय नहीं हो पा रही है। इसके कारण वाहन वारंटी और बीमा दावों को लेकर भी विवाद उत्पन्न होने की बात कही गई है।

# प्रधानमंत्री के सेल्फी वीडियो संवाद के नीतिगत व सियासी मायने

जब नई दिल्ली सहित देश के विभिन्न हिस्सों में छात्र राजनीति गरमाई तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद ही मोर्चा संभाल लिया और सोशल मीडिया मंच ₹इंस्टाग्राम₹ पर किए अपने एक लगभग 2.55 मिनट के सेल्फी वीडियो पोस्ट के माध्यम से जेन-जी से संवाद स्थापित कर विपक्षी नेताओं के सियासी चक्रब्यूह को सफलतापूर्वक भेद दिया। छात्र आंदोलन के दृष्टिगत प्रधानमंत्री के सेल्फी वीडियो संवाद के नीतिगत व सियासी मायने दूरगामी प्रभाव वाले साबित होंगे।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी के इस निर्णायक पहल से पुनः यह स्पष्ट हो गया कि पीएम मोदी भारतीय राजनीति पर गहरी पकड़ रखते हैं और जब जब सियासी फुटबॉल सुर्खियों में आता है, तब तब वह खुद ही आगे आकर कांग्रेस के नेता प्तिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ राजनीतिक मैदान का तगड़ा गोल मारते हुए उन्हें अप्रासंगिक बना डालते हैं। बीते 12 वर्षों में ऐसे कई मौके आए जब भाजपा का विकल्प बनने चला कांग्रेस नीत विपक्ष अपने संकल्प सिद्धि की राह से ही भटक गया या प्रधानमंत्री की नीतिगत पहल से भटका दिया गया, राजनीतिक शोधकर्ताओं के लिए अनुसंधान का विषय है। बहरहाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 जुलाई दिन गुरुवार की मध्य रात अपनी एक सेल्फी-स्टाइल वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, जिसका केंद्र बिंदु NEET और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक जैसा संवेदनशील मुद्दा था। उस वीडियो में पीएम मोदी ने भावुकता भरे अंदाज में मुख्य रूप से निम्नलिखित बातें कहीं:

पहला, उन्होंने कहा कि पेपर लीक कोई साधारण घटना नहीं है, बल्कि इससे लाखों छात्रों और उनके परिवारों को गहरा दुख और मानसिक पीड़ा होती है। दूसरा, उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करेगी और पेपर लीक रोकने के लिए व्यवस्था को और मजबूत बनाया जाएगा।

तीसरा, उन्होंने घोषणा की कि केंद्रीय मंत्रिमंडल एक ऐसे विधेयक पर विचार करेगा, जिसमें पेपर लीक से जुड़े मामलों के लिए फास्ट-ट्रैक अदालतों का प्रावधान, दोषियों के लिए कड़े दंड, और परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा को मजबूत करने के उपाय शामिल होंगे। चौथा और अंतिम, उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की प्राथमिकता रही कि पेपर लीक के कारण छात्रों का एक शैक्षणिक वर्ष बर्बाद न हो।

देखा जाए तो यह वीडियो इसलिए भी चर्चा में रहा क्योंकि प्रधानमंत्री ने इसे रात लगभग 11:52 बजे, अपेक्षाकृत अनौपचारिक सेल्फी वीडियो के रूप में जारी किया, जिसे कई विश्लेषकों ने युवाओं, विशेषकर Gen-Z, से सीधे संवाद स्थापित करने की नई शैली के रूप में देखा।

बाद में, उन्होंने दूसरे वीडियो में युवाओं को उनकी प्रतिक्रियाओं और सुझावों के लिए धन्यवाद भी दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दूसरे इंस्टाग्राम वीडियो में मुख्य रूप से युवाओं, खासकर छात्रों, को संबोधित किया। उनके संदेश का सार यह था कि पिछले वीडियो पर युवाओं की प्रतिक्रिया और सकारात्मक सुझावों के लिए वे आभारी हैं। उन्होंने कहा, 'Thank you, friends. कल देर रात आपसे जुड़ने का अवसर मिला। आपने मेरे वीडियो पर जिस तरह प्रतिक्रिया दी और सकारात्मक सुझाव दिए, उसके लिए आप सभी का धन्यवाद।'₹ उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं का यह स्नेह और सुझाव सरकार के प्रयासों को और मजबूत करेंगे तथा उनका युवाओं से जुड़ाव और गहरा होगा।

दरअसल, यह वीडियो उनके उस पहले इंस्टाग्राम संदेश के बाद आया, जिसमें उन्होंने NEET सहित परीक्षा-पत्र लीक के मुद्दे पर कड़ी कार्रवाई, सख्त कानून और फास्ट-ट्रैक अदालतों की बात कही थी। दूसरे वीडियो का उद्देश्य उस पहले संदेश पर मिली प्रतिक्रिया के लिए युवाओं का आभार व्यक्त करना था। राजनीतिक दृष्टि से, कई विश्लेषकों ने इसे Gen-Z युवाओं से सीधे डिजिटल संवाद स्थापित करने की रणनीति के रूप में देखा है, जबकि विपक्ष ने इसकी आलोचना भी की है। यदि बात उसी इंस्टाग्राम वीडियो और उसके बाद की घटनाओं की है, तो यह कहना अभी जल्दबाज़ी होगी कि छात्र आंदोलन पर उसका निर्णायक प्रभाव पड़ा है।

अब तक मिली जानकारी के आधार पर कुछ संभावित प्रभाव दिखे हैं: जैसे आंदोलन की दिशा बदली, समाप्त नहीं हुई। हां, प्रधानमंत्री द्वारा सीधे छात्रों को संबोधित करने और पेपर लीक पर सख्त कानून तथा फास्ट-ट्रैक अदालतों की बात करने के बाद आंदोलन का फोकस केवल विरोध से हटकर सरकार के वादों के क्रियान्वयन पर भी आ गया। वहीं कुछ छात्रों में इसका सकारात्मक संदेश गया। कई छात्रों ने इसे इस संकेत के रूप में देखा कि सरकार ने उनकी चिंता को गंभीरता से लिया है और शीर्ष स्तर से प्रतिक्रिया आई है। वहीं कुछ छात्रों में संदेह भी बना रहा। खासकर छात्र संगठनों और विपक्ष के कुछ नेताओं ने कहा कि केवल घोषणा पर्याप्त नहीं है; वास्तविक बदलाव तब माना जाएगा जब पेपर लीक के मामलों में शीघ्र कार्रवाई हो, दोषियों को सजा मिले, और परीक्षा प्रणाली में ठोस सुधार दिखाई दें।

# दतिया- उपचुनावः कोई भी जीते, हारेंगे नरोत्तम

डॉ. नरोत्तम मिश्र इस सामंती इलाके में दादा के संबोधन से नवाजे जाते हैं। यह संबोधन उनकी हैसियत और छवि दोनों की चुगली करता है।

**डॉ. सुधीर सक्सेना**

दतिया में मतदान सन्निकट है। कहने को यह चुनाव दोनों प्रमुख दलों - कांग्रेस और भाजपा के बीच हो रहा है, लेकिन आजाद समाज पार्टी ने आमने-सामने की सीधी लड़ाई को पेचीदा त्रिकोणीय संघर्ष में बदलकर हार-जीत के समीकरणों को गड़बड़ा दिया है। आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी दामोदर सिंह यादव के पेशगी तैयारी से मैदान में उतरने से संशय गहरा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सजातीय होने से अनेक लंतरानियां हवा में तैर रही हैं। चुनावी ऊंट की करवट को दादा (नरोत्तम मिश्र) की मौन मनौती से जोड़कर भी देखा जा रहा है। इसे हरेक अपने-अपने तरीके से बूझ रहा है। वस्तुतः डॉ. नरोत्तम मिश्र की स्थिति तलवार की धार पे धावनों सरीखी हो गयी है। बीजेपी की जय और पराजय दोनों ही स्थितियों में उनके लिये नफा, कम, नुकसान ज्यादा का खतरा सन्निहित है।

डॉ. नरोत्तम मिश्र इस सामंती इलाके में दादा के संबोधन से नवाजे जाते हैं। यह संबोधन उनकी हैसियत और छवि दोनों की चुगली करता है। इसमें आदर और दबंगई का ऐसा घोल है, जिसमें दोनों को पृथक्कृत नहीं किया जा सकता। इलाके में उनकी लोकप्रियता भी है और दबदबा भी। वह पारिवारिक प्रसंगों से लेकर धार्मिक अनुष्ठानों और सामाजिक समारोहों में शिरकत करते रहे हैं। उन्होंने अपनों को कृतार्थ किया तो बैरियों को सबक सिखाया। हाजिरजवाबी और शेरोशायरी से वह जलसों और महफिलों की शान रहे। पार्टी के लिये वह संकटमोचन रहे। उनकी साधन संपन्नता कइयों की ईर्ष्या का विषय बनी। दिल्ली के सत्ता सौध में वह एक अत्यंत प्रभावशाली नेता की नाक का बाल रहे और दिलचस्प तौर पर उन्होंने अपनी नाक के बालों का भी भरपूर खयाल रखा। कमलनाथ-सरकार को गिराने में भी उनकी नेपथ्य में महत्वपूर्ण भूमिका रही। अपने बयानों से वह सुर्खियों में रहे और आचरण से विवादास्पद। सूबे का सीएम बनने की उनकी महत्वाकांक्षा भी किसी से छिपी नहीं रह सकी।

यही वे सन्दर्भ हैं, जो डॉ. नरोत्तम मिश्र को सत्तारूढ़ बीजेपी में अद्वितीय या विशिष्ट बनाते हैं। यही विशिष्ट नरोत्तम इस बार दतिया के उपचुनाव में टिकट से वंचित रहे। दादा का बेटिकट होना दादा के समर्थकों को कितना नागवार गुजरा, यह बीजेपी के नये नवेले उम्मीदवार के नाम का ऐलान होते ही जगजाहिर हो गया। दादा नहीं तो कोई नहीं की रौ में दादा के उग्र समर्थकों ने खूब बवाल काटा। और दादा ...? बेबसी में दादा की आंखों में आंसू तिर आये। अब दादा कुछ बोलें या मौन रहें, मगर ये अबोले आँसू मुखर होकर गुल खिला रखे हैं। उनकी यह बबसी और मायूसी उनके समर्थकों को इस कदर साल रही है कि उन्होंने बीजेपी को सबक सिखाने का मन बना लिया है। दतिया में सामान्य वर्ग में ब्राह्मण सबसे बड़ा वोट बैंक हैं। यह बैंक पहले विभाजित था, किंतु नये परिप्रेक्ष्य में तकरीबन पूरा समुदाय बीजेपी के हाथों से छिटक गया है।

दादा नरोत्तम इस चुनाव में प्रत्याशी नहीं हैं। न तो वह दलीय प्रत्याशी हैं और न ही निर्दल, लेकिन चुनावी-दंगल में उनकी मौजूदगी महसूस की जा रही है। पार्टी ने उनकी गति सांप-छछूंदर सी कर दी है। सुविचारित रणनीति के तहत उन्हें चुनाव प्रचार की कमान सौंपा दी गयी है। कमेटी में इस्तीफा दे चुके उनके समर्थक पदाधिकारी भी हैं। पार्टी के लिये दादा को तन-मन-धन झोंकना होगा। हालाँकि, संभावना नगण्य है, किंतु फर्ज कीजिये कि बीजेपी के आशुतोष जीत जाते हैं, तो सेहरा किसके सिर बँधेगा? पार्टी नेतृत्व की जय-जयकार होगी और स्थानीय राजनीति में दादा हाशिये में सरक जायेंगे। अगले चुनाव में उनका दावा भी कमजोर होगा। यदि उन्हें कोई निगम-मंडल सौंपा भी गया तो उससे उनके रूतबे की भरपाई न होगी। और अगर्चे बीजेपी दतिया का दंगल हारती है, तो ठीकरा दादा के सिर फूटेगा।

ऐसे में दादा तिरस्कृत और दंडित होंगे। अवधेश नायक की सक्रियता से कांग्रेस को बल मिला है और विभिन्न नेताओं के बयानों से दादा की निष्ठा संदिग्ध हो रही है। ऐसा नहीं है कि दादा इसे समझ नहीं रहे हैं, मगर वे निरूपाय हैं। उनके ग्रहयोग बुरे चल रहे हैं। दिल्ली के उनके आका भी उनकी टिकट बचा नहीं सके। एक नामालूम सा स्वयं सेवक बाजी मार ले गया। अब दतिया है, दादा हैं और चुनाव हैं। गत चुनाव में दादा करीब सात हजार मतों से हारे थे और करीब इतने ही वोटर एसआईआर में लिस्ट से हटाये गये थे। जब वक्त बुरा हो तो धार्मिक टोटके काम नहीं आते। यह अकारण नहीं है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दतिया में जिताने का जिम्मा लेने से इंकार कर दिया। अब दंगल में उतरे तेईस मल्लों में से जीते कोई एक, मगर दंगल नहीं लड़कर भी हारेंगे दादा नरोत्तम।

व्यंग्य

# छीना-झपटी ठीक नहीं

विपक्ष को कॉकरोच आंदोलन में 'राजनीतिक पूंजी' नजर आई हो, तो यह स्वाभाविक ही है। वैसे, अभी वक्त इस पूंजी को सहेजने का है, लेकिन इन पार्टियों में अभी से इसकी छीना-झपटी के संकेत मिलने लगे हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन देशवासियों के बड़े हिस्से का ध्यान खींचने में सफल रहा है। सोमवार को उसके संसद मार्च के दौरान बड़े पैमाने पर छात्रों पर दमन ने उसके एंजेडे के लिए समर्थन में और इजाफा किया है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर जोर डालने के लिए जगह-जगह हुए स्वतःस्फूर्त प्रतिरोध से साफ है कि जनमत का बहुत बड़ा हिस्सा इस मुद्दे पर केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ हो गया है। ऐसे में विपक्षी दलों को इस आंदोलन में 'राजनीतिक पूंजी' नजर आई हो, तो यह स्वाभाविक ही है। वैसे, अभी वक्त इस पूंजी को सहेजने तथा उसे और बढ़ाने का है, लेकिन विपक्षी पार्टियों में अभी से इसकी छीना-झपटी शुरू होने के संकेत मिलने लगे हैं।

मंगलवार को उनमें कॉकरोच आंदोलन के प्रति समर्थन जताने की होड़ लग गई। इस दौरान कुछ पार्टियों ने हिरासत से छात्रों को रिहा कराने और जख्मी छात्रों के इलाज में मदद करने की सराहनीय पहल की। लेकिन शाम होते-होते इस पूंजी को ज्यादा से ज्यादा हथियाने की होड़ के संकेत भी मिलने लगे। शुरुआत में कांग्रेस ने 'कॉकरोचों' से दूरी बनाए रखी और उसके सोशल मीडिया समर्थक इस आंदोलन के पीछे किसी साजिश का संकेत देखते रहे। इस दौरान कॉकरोचों को आम आदमी पार्टी का मोर्चा या 'राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता' से ध्यान भटकाने की भाजपा की साजिश साबित करने की पुरजोर कोशिश उन हलकों में हुई।

लेकिन मंगलवार को जब देश भर से कॉकरोचों के लिए समर्थन उमड़ने लगा, तो कांग्रेस ने प्रधानमंत्री निवास के बाहर हाई प्रोफाइल धरना आयोजित कर दिया। मेनस्ट्रीम मीडिया में इसको मिली अहमियत से आम आदमी पार्टी को जलन महसूस हुई, तो उसके नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी के बीच मिलीभगत के आरोप सार्वजनिक रूप से लगा दिए। उधर महीने भर तक मुंह फेरे रहे कई दलों के नेता मंगलवार को हाजिरी लगाने जंतर-मंतर पहुंचे। जबकि होना यह चाहिए था कि ये तमाम दल आत्म-निरीक्षण करते कि जिस तरह जन मानस को कॉकरोचों ने आकर्षित कर लिया है, गुजरे 12 साल में वैसा करने में ये दल क्यों नाकाम रहे हैं?

ब्लॉग

# शैक्षणिक सत्र के चार महीने बीतने को आए पर अब तक नहीं आयीं किताबें

**निशा सिंह**

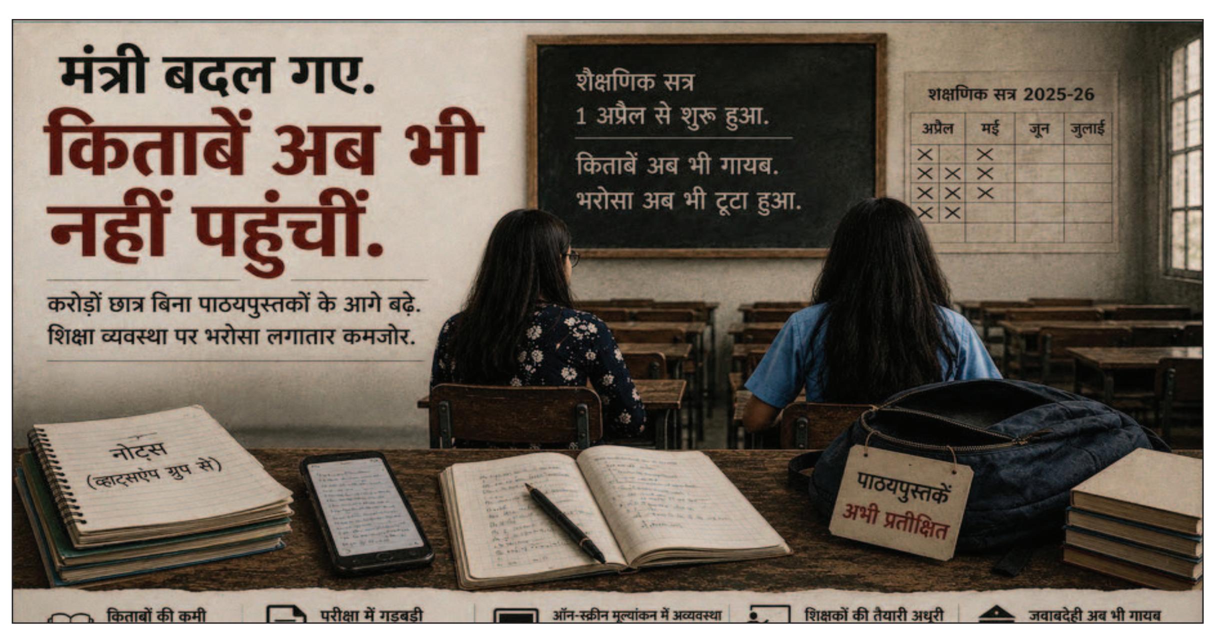


मित्र रेनू के साथ कार से लौट रही थी, तभी शुरू होता है बातचीत का सिलसिला। बातचीत शिकायतों की नहीं थीं, क्योंकि वह उस पड़ाव से आगे निकल चुकी थी। उसके मन में सिर्फ एक सवाल था, जिसका जवाब वह अपनी कक्षा 11 में पढ़ने वाली बेटी अहाना को नहीं दे पा रही थी- 'मम्मी, हमारी किताबें अभी तक क्यों नहीं आईं?'

सीबीएसई का शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल से शुरू हो चुका है। लेकिन अहाना और आराध्या जैसे लाखों बच्चे आज भी अपनी पढ़ाई व्हाट्सएप ग्रुप में साझा की जाने वाली ब्लैकबोर्ड की तस्वीरों के सहारे कर रहे हैं। हर शाम कोई अभिभावक कक्षा के बोर्ड की फोटो खींचकर भेजता है और बच्चे उसी से नोट्स उतारते हैं।

फिर दोनों बच्चियों ने एक और कठिन सवाल पूछा-₹मैं ऐसे देश में आगे पढ़ाई नहीं करना चाहती, जहाँ कुछ भी समय पर और योजना के अनुसार नहीं होता।₹ जब किताब भी समय पर न मिले और परीक्षा पर भी भरोसा न रहे। रेनू के पास इस सवाल का जवाब नहीं था। सच कहूँ तो मेरे पास भी पूरी तरह नहीं है। क्योंकि अब बात सिर्फ किताबों की कमी तक सीमित नहीं रही।

इसी वर्ष लाखों छात्रों ने नीट यूजी परीक्षा पेपर लीक के कारण रद्द होते देखा। लगभग 22 लाख अभ्यर्थी अनिश्चितता में छोड़ दिए गए। सीबीआई जाँच हुई, दोबारा परीक्षा कराई गई और वे छात्र, जिन्होंने वर्षों की मेहनत इस एक परीक्षा पर लगाई थी, यह सोचने को मजबूर हो गए कि क्या उनके भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा पर भरोसा किया जा सकता है।

उधर इसी वर्ष सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन प्रक्रिया में आई अव्यवस्था के कारण हजारों छात्र महीनों तक अपने परिणामों को लेकर असमंजस में रहे। ये किसी सोशल मीडिया की अफवाहें नहीं थीं। यही वे कारण थे जिनके चलते सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने जून में जंतर-मंतर पर 26 दिन का अनशन किया। यही वह पृष्ठभूमि थी जिसमें देशभर के छात्र, पहली बार मतदान करने वाली युवा पीढ़ी और व्यवस्था से निराश जेन जी सड़क पर उतरे। कॉकरोच जनता पार्टी के अभिजीत दिपके के नेतृत्व में उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की माँग की। 25 जुलाई को मंत्री ने इस्तीफा दे दिया। उसी शाम अहाना और आराध्या का फोन आया। वे बेहद खुश थीं। ₹मम्मी... जीत गई।₹ हाँ, उनकी एक माँग पूरी हुई। लेकिन जिन कारणों से वे सड़क पर उतरी थीं, वे आज भी वहीं खड़े हैं।

जेन जी की जीत हुई, लेकिन किताबें अब भी नहीं पहुँचीं। एक अभिभावक के रूप में ऐसे समय में अपने बच्चे का मनोबल कैसे बनाए रखें? कोई इसका तरीका नहीं बताता। आप बस हर दिन उसे समझाते हैं, उसका विश्वास बनाए रखने की कोशिश करते हैं, जबकि वही व्यवस्था, जिस पर उसे भरोसा होना चाहिए, बार-बार भरोसा तोड़ने के नए कारण देती रहती है।

फिर हमें आश्चर्य होता है कि जो परिवार सक्षम हैं, वे अपने बच्चों को पहले ही अवसर पर विदेश पढ़ने क्यों भेज देते हैं। यह किसी एक परिवार की कहानी नहीं है। लगातार चौथे वर्ष बुनियादी व्यवस्थाएँ विफल हुई हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार किताबें भी समय पर नहीं पहुँचीं और बड़ी परीक्षाएँ भी भरोसेमंद नहीं रहीं। समीक्षाएँ होती रहीं, बच्चों के बस्ते खाली रहे

इस शैक्षणिक सत्र के लिए एनसीईआरटी ने लगभग 15 करोड़ पाठ्यपुस्तकें छापने की योजना बनाई थी। मई के शुरुआती सप्ताह तक इनमें से केवल सात से आठ करोड़ किताबें ही प्रिंटिंग प्रक्रिया तक पहुँच पाई थीं, विद्यार्थियों तक तो बहुत दूर की बात थी। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि महीने के अंत तक स्थिति सामान्य हो जाएगी। इसी दौरान शिक्षा मंत्री ने एनसीईआरटी के साथ पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा बैठक भी की। बैठक हुई। प्रेस विज्ञप्ति जारी हुई। लेकिन बच्चों के स्कूल बैग खाली ही रहे। मंत्री बदलते रहे। समीक्षा और आश्वासनों का वही चक्र चलता रहा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पढ़ाने की तैयारी, लेकिन शिक्षक तैयार नहीं।

इसी बीच इस शैक्षणिक सत्र से कक्षा तीन से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग को अनिवार्य बनाया जा रहा है। इसे सरकार के ₹विकसित भारत 2047₹ के दृष्टिकोण से जोड़ा गया है। भारत में लगभग एक करोड़ शिक्षक हैं। स्वतंत्र अध्ययनों से पता चलता है कि उनमें से कई शिक्षक पाठ योजना बनाने जैसे कार्यों में एआई का उपयोग तो कर रहे हैं, लेकिन अधिकतर को इसे व्यवस्थित रूप से पढ़ाने का प्रशिक्षण अब तक नहीं मिला है।

अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया कि इतने बड़े स्तर पर शिक्षकों को प्रशिक्षित कौन करेगा, कहाँ करेगा और इसका खर्च कौन उठाएगा। नीति बनाना और उसे जमीन पर उतारना, दोनों अलग बातें हैं। यही वह पैटर्न है, जिसे बिना किसी लाग-लपेट के स्वीकार करना होगा। हमारी नीतियाँ अक्सर लक्ष्य तय कर देती हैं, लेकिन उन्हें लागू करने की व्यवस्था अधूरी छोड़ देती हैं। दिल्ली में गंभीर इरादों के साथ नीति बनती है। लेकिन दिल्ली के उस हस्ताक्षर और गाज़ियाबाद के एक कक्षा-कक्ष के बीच कहीं पूरी योजना दम तोड़ देती है और किसी की जवाबदेही तय नहीं होती। समय पर किताबें न छपें तो किसी अधिकारी पर कार्रवाई नहीं होती। एक पूरी पीढ़ी का परीक्षा तंत्र से विश्वास डगमगा जाए, तब भी जवाबदेही कुछ दिनों की सुर्खियों तक सीमित रह जाती हैं। प्रधानमंत्री 2047 तक विकसित भारत की बात करते हैं। लेकिन 2026 में भी बच्चे अपनी किताबों का इंतजार कर रहे हैं। इस वर्ष युवा इसलिए सड़क पर नहीं उतरे कि उनमें धैर्य की कमी थी। वे इसलिए निकले क्योंकि उन्होंने अपनी आँखों से देखा कि उन्हें वर्षों से जिस एक व्यवस्था पर भरोसा करना सिखाया गया था-मेहनत करो, निष्पक्ष परीक्षा होगी और भविष्य बनेगा- वही व्यवस्था बार-बार टूट रही है। यह युवाओं की जल्दबाज़ी नहीं थी। यह उस धैर्य का अंत था, जिसे बहुत पहले ही जवाब मिल जाना चाहिए था। इसलिए अब वह सवाल पूछना ही होगा, जिससे व्यवस्था अक्सर बचना चाहती है। यदि सरकार लगातार चार वर्षों तक समय पर पाठ्यपुस्तकें नहीं पहुँचा सकती और बिना पेपर लीक के परीक्षा आयोजित नहीं कर सकती, तो एक अभिभावक यह विश्वास किस आधार पर करे कि वही व्यवस्था उसके बच्चे को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी नई शिक्षा समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से दे पाएगी? नीति बनाना शासन नहीं होता। शासन वह है, जो प्रेस विज्ञप्ति जारी होने के बाद जमीन पर दिखाई दे। दुर्भाग्य से आज सबसे बड़ी कमी वहीं दिखाई देती है।

**(लेखिका कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत नीति विश्लेषक हैं और कौशल विकास, रोजगार क्षमता तथा कार्यबल विकास के क्षेत्र में कार्यरत हैं। यह विचार उनके निजी हैं।)**

# गोरखपुर के रामगढ़ताल में हादसा: दो स्पीड बोट की आमने-सामने टक्कर...युवक की मौत, 8 घायल

**आर्यावर्त संवाददाता**

**गोरखपुर।** उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित रामगढ़ताल के नौका विहार में रविवार रात बड़ा हादसा हो गया। दो स्पीड बोट की आमने-सामने टक्कर के बाद एक बोट पलट गई। हादसे में 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि आठ लोग घायल हो गए। इनमें से पांच लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया, जबकि तीन घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।

मृतक की पहचान कुशीनगर जिले के हाटा क्षेत्र के पिपरा गांव निवासी 21 वर्षीय लखमुद्दीन के रूप में हुई है। वह अपने दोस्त 25 वर्षीय कयामुद्दीन अंसारी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गोरखपुर के नौका विहार घूमने आया था। सभी ने रामगढ़ताल में स्पीड बोट से सैर करने का फैसला किया था, लेकिन यह सैर कुछ ही देर में दर्दनाक हादसे में बदल गई।

## आमने-सामने टकराईं दोनों बोट

पुलिस के अनुसार, एक स्पीड बोट प्लेटफॉर्म से रामगढ़ताल की ओर जा रही थी, जबकि दूसरी बोट यात्रियों को छोड़कर वापस प्लेटफॉर्म की ओर लौट रही थी। इसी दौरान दोनों बोटों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि एक बोट का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई। बोट पलटते ही उसमें सवार लोग तालाब में गिर गए, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों, नाविकों और स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। तालाब में गिरे सभी लोगों को बाहर निकाला गया। गंभीर रूप से घायल लखमुद्दीन, कयामुद्दीन अंसारी, एक अन्य युवक और एक बच्चे को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान लखमुद्दीन ने दम तोड़ दिया, जबकि अन्य घायलों का उपचार जारी है।

## प्रशासन ने शुरू की जांच

घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) के अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्राथमिक जांच में हादसे की वजह दोनों बोटों की आमने-सामने टक्कर मानी जा रही है। हालांकि अधिकारी यह भी जांच कर रहे हैं कि बोट संचालन में किसी प्रकार की लापरवाही या सुरक्षा मानकों का उल्लंघन तो नहीं हुआ।

## बोट चालकों के लाइसेंस होंगे निरस्त

पुलिस ने दोनों बोट चालकों का मेडिकल परीक्षण कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रशासन ने दोनों प्लेटफॉर्म संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और उनके लाइसेंस निरस्त करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा गोरखपुर विकास प्राधिकरण के संबंधित जूनियर इंजीनियर (JE) की भूमिका की भी जांच की जाएगी। पूरे मामले की जांच के लिए एक समिति गठित की गई है, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

## पहले भी हो चुका है ऐसा हादसा

रामगढ़ताल में यह पहला बोट हादसा नहीं है। वर्ष 2025 में भी दो बोटों की टक्कर में तीन लोग घायल हुए थे। उस घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई सवाल उठे थे। ताजा हादसे के बाद एक बार फिर नौका विहार में सुरक्षा मानकों और बोट संचालन की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

# राज्यपाल ने बच्चों को वितरित की शिक्षा-सामग्री

**आर्यावर्त संवाददाता**

**जौनपुर।** प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने दीक्षांत के पावन अवसर पर प्राइमरी के नन्हे-मनोरथों को स्कूल बैग, फल, ड्राई फ्रूट जामेट्री बॉक्स तथा महापुरुषों पर प्रकाशित पुस्तकें भेंट कीं। विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए कुकड़ीपुर, देवकली, सुल्तानपुर और जासोपुर,जफरपुर गांवों में आयोजित खेलों के प्रथम तीन विजेताओं को भी राज्यपाल के हाथों विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके बाद 15 स्कूली बच्चे देशभक्ति और लोकगीत 3 बच्चे पर्यावरण और जलबचाव पर गीत सुनाकर लोगों को भावुक कर दिया। जिससे बच्चों के सपनों को उज्जवल प्रोत्साहन मिला।

# सपनों को संकल्प में बदलें युवा: राज्यपाल

**आर्यावर्त संवाददाता**

**जौनपुर।** वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 30 वां दीक्षांत समारोह सोमवार को महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी हाल में मनाया गया। कुलाधिपति, राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले स्नातक एवं स्नातकोत्तर 83 मेधावियों को 84 स्वर्ण पदक प्रदान की। 339 शोधार्थियों को पीएच.डी. एवं एक को डीएससी की उपाधि दी। 39 छात्राओं को एचपीबी वैक्सीनेशन हुआ। कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि ज्ञान, साधना और परिश्रम की इस पावन धरती पर आकर स्वयं को सौभाग्यशाली महसूस कर रही हूं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने के केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और चरित्र निर्माण की प्रयोगशालाएं हैं। विद्यार्थियों को अपने भविष्य के साथ-साथ भारत के भविष्य को भी दिशा देने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने छात्रों का आह्वान किया कि वे अधिक परिश्रम करें और छात्राओं से प्रेरणा लें। बेटियां अपने भविष्य के प्रति अधिक सजग हैं और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि वे केवल रोजगार खोजने की मानसिकता तक सीमित न रहें, बल्कि रोजगार देने वाले उद्यमी बनने का लक्ष्य रखें। आज भारत का युवा स्टार्टअप, नवाचार और तकनीक के माध्यम से दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रहा है। विद्यार्थियों को अपने सपनों को संकल्प में बदलना होगा तथा समाज, राष्ट्र और मानवता के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा। शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और चरित्र निर्माण भी उतना ही आवश्यक है। मुख्य अतिथि मेजर जनरल गौरव गौतम (एडीजी, उ.प्र. एनसीसी) ने कहा कि आज का पराक्रमी युवा राष्ट्र की पहली पंक्ति है। उन्होंने कहा कि सिर्फ किताबों का ज्ञान ही पर्याप्त नहींय तकनीकी दक्षता, व्यावहारिक कौशल और आत्मनुशासन आज की मांग हैं। मेजर जनरल ने एससीसी के अनुभवों से उदाहरण देते हुए अनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व की आवश्यकता पर जोर दिया तथा कहा कि ये गुण किसी भी करियर को ऊँचाइयाँ प्रदान करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे एआई, डेटा साइंस और उद्यमशीलता जैसे भविष्योन्मुख क्षेत्र में खुद को प्रशिक्षित करें और रोजगारोन्मुखी कौशल सीखें ताकि वे प्रतिस्पर्धी बाजार में सफल हो विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि आज प्राप्त होने वाला पदक और उपाधि केवल विद्यार्थियों की उपलब्धि नहीं, बल्कि उनके माता-पिता, गुरुजनों और विश्वविद्यालय परिवार के वर्षों के परिश्रम एवं समर्पण का सम्मान है।

## अधेड़ को जहर पिलाने का आरोप

**जौनपुर।** केराकत कोतवाली क्षेत्र के मुरारा गांव में सोमवार को एक मामला सामने आया। आरोप है कि खेत में सो रहे एक अधेड़ के साथ मारपीट कर जमीन हड़पने की नीयत से जबरन सादे कागज पर अंगूठा लगवाया गया। पीड़ति ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उन्हें जबरन जहरीला पदार्थ भी पिला दिया। आरोप है कि 55 वर्षीय दुर्गा प्रसाद सिंह सुबह अपने घर से लगभग 800 मीटर दूर खेत में सो रहे थे। इसी दौरान तीन लोग वहां पहुंचे और कथित रूप से उनके साथ मारपीट की। पीड़ति का आरोप है कि उनके साले दीपक सिंह, मौसी के बेटे विजेंद्र सिंह तथा साढ़ू लुलु सिंह ने जमीन अपने नाम कराने की नीयत से जबरन सादे कागज पर उनका अंगूठा लगवाया। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई और कथित तौर पर जहरीला पदार्थ भी पिला दिया गया। सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। गंभीर हालत में घायल बुजुर्ग को एंबुलेंस से पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत ले जाया गया।

# 'मुझे सोना है, आजा' 2000 उधार लिए तो शख्स ने की दरिंदगी, परेशान युवती ने लगाया फंदा

**आर्यावर्त संवाददाता**

**मुरादाबाद।** उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद के थाना मझोला क्षेत्र के मानपुर नारायणपुर से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां मात्र 2000 के उधारी विवाद ने एक विवाहिता को जीवन और मौत के बीच लाकर खड़ा कर दिया। पीड़िता के पति, जो देहरादून में कार्यरत हैं, ने अपने पड़ोसी सुरेश से 2000 उधार लिए थे। आरोप है कि पति की अनुपस्थिति का फायदा उठाकर आरोपी सुरेश और उसके साथियों ने महिला को मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।

पैसों की आड़ में आरोपी महिला पर अवैध संबंध बनाने का दबाव बना रहा था। मामला तब और गंभीर हो गया, जब आरोपी ने फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए महिला को होटल में मिलने और साथ सोने का दबाव बनाया। इस निरंतर मानसिक उत्पीड़न, अश्लील दबाव और समाज में बेइज्जती के डर से बेहद व्यथित होकर पीड़ित महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया।

आनन-फानन में पुलिस व परिजनों ने महिला को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार जारी है। पीड़िता के पति ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए ऑडियो रिकॉर्डिंग पुलिस को सौंपी है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

## पुलिस से की कार्रवाई की मांग

अस्पताल के बिस्तर से अपनी आपबीती सुनाते हुए पीड़ित महिला ने बताया कि आरोपी सुरेश पैसों की आड़ में लगातार उसका उत्पीड़न कर रहा था। महिला ने कहा, "सुरेश सुबह-सुबह घर आया और पैसों की मांग करते हुए सामान उठाकर ले जाने की धमकी देने लगा। जब मैं रोने लगी, तो उसने बदतमीजी की और शादी करने व होटल चलने का दबाव बनाया।" पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने अपनी आईडी पर कूलर और फ्रिज की किश्तें तय कराई थीं, जिसको लेकर वह लगातार धमकी देता था कि, "या तो मेरे साथ होटल में सोने चल, वरना किश्तें चुका और सामान उठा ले जाऊंगा।" महिला ने आगे खुलासा किया कि आरोपी अपने दोस्तों के साथ शराब के अहाते पर बैठकर उसे फोन करवाता था और बाहर आने या मूवी देखने चलने का दबाव बनाता था। जब प्रताड़ना हद से बढ़ गई और घर में घुसकर उठा ले जाने की धमकियां मिलने लगीं, तो डर और मानसिक तनाव के कारण वह यह कदम उठाने पर मजबूर हो गई। पीड़िता ने पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X के माध्यम से सामने आई है।

# क्या पुलिस से बचने के लिए भाग रहे थे ट्रक चालक? रेलवे ट्रैक पर ट्रेन ने मारी टक्कर, दो युवकों की दर्दनाक मौत

**आर्यावर्त संवाददाता**

**बरेली।** उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के बहेड़ी क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में दो ट्रक चालकों की जान चली गई। घटना बरेली-नैनीताल हाईवे स्थित मुडिया टोल प्लाजा के पास हुई, जहां रेलवे ट्रैक पार करते समय दोनों चालक ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में पुलिस बल को मौके पर तैनात करना पड़ा। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, उत्तराखंड की ओर से रेत-बजरी लेकर आने वाले ट्रकों की सीमा पर नियमित जांच की जाती है। घटना के समय भी कई ट्रक चेकिंग के लिए खड़े थे और उनके चालक पुलिस टीम से बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान पीछे से कुछ अन्य ट्रक भी वहां पहुंचे, जिनके चालक भी मौके पर आ गए।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि अचानक पुलिस टीम का एक सदस्य अपनी सीट से उठा। यह देखकर पीछे मौजूद कुछ ट्रक चालक घबरा गए और वहां से भागने लगे। इसी दौरान दो चालक रेलवे ट्रैक की ओर दौड़ पड़े।

## ट्रेन की चपेट में आने से दोनों की मौत

भागते हुए दोनों चालक रेलवे लाइन पार करने की कोशिश कर रहे थे। तभी बहेड़ी की ओर से आ रही ट्रेन संख्या 55313 वहां से गुजरी और दोनों उसकी चपेट में आ गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

## वासिफ और इरफान की हुई पहचान

हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान 32 वर्षीय वासिफ, निवासी मुंडिया जागीर (थाना देवरनिया) और 20 वर्षीय इरफान, निवासी कंजादासपुर (थाना इज्जतनगर) के रूप में हुई है। हादसे की खबर मिलते ही दोनों परिवारों में मातम छा गया। परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए और घटना को लेकर नाराजगी भी जताई।

## मौके पर पहुंचे अधिकारी, जांच शुरू

हंगामे की आशंका को देखते हुए पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

## क्या बोले एसपी ?

एसपी नॉर्थ मुकेश मिश्रा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों युवक रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि पूरे घटनाक्रम की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हादसे की परिस्थितियां क्या थीं और घटना से पहले वास्तव में क्या हुआ था।

## तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन का षुभारंभ

**जौनपुर।** हस्तशिल्प सेवा केंद्र, वाराणसी द्वारा सोमवार को बदलापुर स्थित सल्तनत बहादुर पीजी कॉलेज में तीन दिवसीय शिल्प प्रदर्शन सह जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम 27 से 29 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को भारतीय हस्तशिल्प की समृद्ध परंपरा से परिचित कराना तथा उनमें शिल्प के प्रति जागरूकता विकसित करना है। इस दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न पारंपरिक शिल्पों की जानकारी देने के साथ-साथ स्वरोजगार की संभावनाओं से भी अवगत कराया जाएगा। तीन दिवसीय कार्यक्रम में चार प्रमुख शिल्पों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इनमें कढ़ाई शिल्प का प्रदर्शन जेबी अख्तर, जरी-जरदोजी का प्रदर्शन अफसाना बानो, टेराकोटा शिल्प का प्रदर्शन दिनेश प्रजापति तथा मूंज शिल्प का प्रदर्शन दिनेश कुमार द्वारा किया जा रहा है।

# नगर पालिका पर लगाया लापरवाही का आरोप

**आर्यावर्त संवाददाता**

**जौनपुर।** नगर पालिका परिषद शाहगंज के कई सभासदों ने उप जिलाधिकारी शाहगंज को संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त शिकायत पत्र सौंपकर अधिशासी अधिकारी एवं सफाई प्रभारी पर घोर लापरवाही, जनहित के कार्यों में देरी तथा अनदेखी करने का आरोप लगाया है। शिकायत में मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत के अनुसार, रजमानकी मंदिर स्थित बुढ़वा बाबा पोखरे में 24 जुलाई को बड़ी संख्या में मछलियों के मरने की सूचना मंदिर के पुजारी एवं स्थानीय लोगों द्वारा नगर पालिका को दी गई थी। आरोप है कि सूचना मिलने के बावजूद अधिशासी अधिकारी और सफाई प्रभारी ने कोई कार्रवाई नहीं की। बाद में पोखरे से दुर्गंध फैलने और महामारी की आशंका बढ़ने पर स्थानीय नागरिकों ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद 27 जुलाई को मृत मछलियों को पोखरे से हटाया गया। सभासदों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका क्षेत्र में आवारा एवं छुट्टा पशुओं की समस्या लगातार बनी हुई है। पशु पकड़ने वाली गाड़ी होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे आए दिन लोग घायल हो रहे हैं। सभासदों ने उप जिलाधिकारी से पूरे प्रकरण की जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक एवं कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। सभासद राम प्रसाद मोदनवाल परवेज अहमद, छेदीलाल वर्मा, श्याम जी गुप्ता, रूपेश जायसवाल, गणेश चैहान, मनीष जायसवाल, अर्पित जायसवाल, श्रेयांश मोदनवाल, किरण सोनी, संगीता यादव, संगीता जायसवाल, सुशीला देवी, मोहसिना, फैजान अहमद, अब्दुल्ला राईन, आदि उपस्थित रहे।

# रामचरितमानस, लोकमंगल का अमृत संदेश

**आर्यावर्त संवाददाता**

**जौनपुर।** मानस अमृत परिवार के तत्वावधान में मानस अमृत लोकमंगल उत्सव का आयोजन रामेश्वरम सदन, रासमंडल, में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीरामचरितमानस के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात उपस्थित विद्वानों ने श्रीरामचरितमानस के लोकमंगलकारी संदेशों पर अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्षता करते हुए प्रो. डा. माधुरी सिंह ने कहा कि श्रीरामचरितमानस केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, मानवीय मूल्यों, करुणा, सेवा और लोककल्याण का अमर ग्रंथ है। इसके आदर्श आज भी समाज को सही दिशा प्रदान करते हैं। डॉ. निरूपा सिंह ने कहा कि रामचरितमानस भारतीय ज्ञान परंपरा का अनुपम प्रकाश स्तंभ है। इसके माध्यम से सत्य, मर्यादा, कर्तव्य और संस्कारों का संदेश जन-जन तक पहुँचता है। प्रो. डा. दलसिंगार ने अपने सत्यपरक अनुभव दर्शन को प्रस्तुत करते हुए कहा कि जीवन वही सार्थक है जो समाज में संवेदना, समरसता और मानवता का संचार करे। उन्होंने अपनी प्रभावशाली काव्यात्मक अभिव्यक्ति से उपस्थित जनों को भावविभोर कर दिया। प्रो.अजय कुमार दुबे ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास है। रामचरितमानस इन आदर्शों की सशक्त प्रेरणा देता है।पूर्व जिला न्यायाधीश बी.एन. सिंह ने कहा कि न्याय, सत्य, मर्यादा और नैतिकता का पालन ही आदर्श समाज की आधारशिला है तथा श्रीराम का जीवन प्रत्येक नागरिक के लिए अनुकरणीय है। साहित्यप्रेमी, शिक्षाविद्, समाजसेवी, बुद्धिजीवी, महिलाएँ, युवा एवं बाल प्रतिभाएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

# घर में चल रहा था शांति पाठ, तभी दरवाजे पर आ गया 'मृत' पति; परिजनों के उड़े होश

**आर्यावर्त संवाददाता**

**औरैया।** उत्तर प्रदेश के औरैया जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पुलिस, प्रशासन और स्थानीय लोगों को हैरानी में डाल दिया है। जिस युवक को परिवार ने मृत मानकर पूरे रीति-रिवाज के साथ अंतिम संस्कार कर दिया, वही युवक शांति पाठ वाले दिन अचानक अपने घर पहुंच गया। घर के बाहर जैसे ही लोगों ने उसे देखा, वहां मौजूद हर व्यक्ति स्तब्ध रह गया। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जिस शव का अंतिम संस्कार किया गया, वह किसका था? पुलिस अब इस रहस्यमयी मामले की दोबारा जांच में जुट गई है।

मामला अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के भीखेपुर नेशनल हाईवे का है। 18 जुलाई को हाईवे किनारे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने की

सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव की पहचान कराने के लिए उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से भी जारी की गईं। 20 जुलाई को सैदपुर अड्डा निवासी दशरथ ने पुलिस के सामने शव की पहचान अपने छोटे भाई कमल सिंह के रूप में की। पहचान के आधार पर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की गई। शव परिजनों को सौंप दिया गया। अगले दिन यानी 21 जुलाई को परिवार ने पूरे धार्मिक रीति-रिवाज के साथ कमल सिंह का अंतिम संस्कार भी कर दिया। इसके बाद घर में शोक का माहौल था और शांति पाठ की तैयारी की जा रही थी।

## पत्नी को था भरोसा, पति है जिंदा

हालांकि कमल सिंह की पत्नी सुनीता शुरू से ही इस बात को मानने को तैयार नहीं थी कि शव उसके पति का है। परिजनों के मुताबिक, कमल के पास अपना मोबाइल फोन नहीं था, लेकिन वह एक परिचित नंबर से समय-समय पर पत्नी से बात करता था। जब उसी नंबर पर संपर्क किया गया तो दूसरी तरफ से खुद कमल सिंह ने फोन उठाया। सुनीता ने उसे बताया कि परिवार ने उसे मृत मान लिया है और उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया गया है। यह सुनते ही कमल सिंह हैरान रह गया और तुरंत ग्वालियर से अपने गांव के लिए रवाना हो गया।

## शांति पाठ के दौरान पहुंचा घर

सबसे हैरान करने वाला दृश्य तब सामने आया, जब कमल सिंह अपने घर पहुंचा। वहां उसका शांति पाठ चल रहा था। जैसे ही लोगों की नजर उस पर पड़ी, पूरे घर में अफरा-तफरी मच गई। परिजन और गांव के लोग उसे जिंदा देखकर स्तब्ध रह गए। सूचना मिलने पर अजीतमल पुलिस भी मौके पर पहुंची। कमल सिंह व उसकी पत्नी से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली।

## डेढ़ साल से घर से बाहर था कमल

जानकारी के अनुसार, कमल सिंह करीब डेढ़ साल से घर से बाहर रहकर मजदूरी कर रहा था। पहले वह पंजाब में नौकरी करता था, इसके बाद ट्रक पर हेल्पर बना और हाल के दिनों में ग्वालियर में प्लंबर का काम कर रहा था। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले वह अपनी ससुराल भी गया था, लेकिन वहां कोई नहीं मिला, जिसके बाद वह वापस ग्वालियर लौट गया था। इस पूरे घटनाक्रम के बाद पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती उस अज्ञात शव की वास्तविक पहचान करना है, जिसे कमल सिंह समझकर अंतिम संस्कार कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि आखिर वह शव किस व्यक्ति का था। साथ ही पहचान की प्रक्रिया में हुई चूक के कारणों की भी जांच की जा रही है।

# प्रेग्नेंसी में सिरदर्द बार-बार हो रहा है? जानिए कब होना चाहिए सतर्क

प्रेग्नेंसी के दौरान कई महिलाओं को सिरदर्द की शिकायत होती है। हालांकि, अगर सिरदर्द बार-बार हो, बहुत तेज हो या आराम के बाद भी ठीक न हो, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह किसी गंभीर दिक्कत का संकेत हो सकता है। आइए जानते हैं।

प्रेग्नेंसी हर महिला के लिए एक खास दौर होता है। इस दौरान शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं, जिनका असर सेहत पर भी पड़ता है। कई महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान सिरदर्द की शिकायत होती है। ज्यादातर मामलों में यह हॉर्मोन में बदलाव, नींद पूरी न होना, तनाव, डिहाइड्रेशन, भूखे रहने या थकान जैसी सामान्य वजहों से हो सकता है। ऐसे में पर्याप्त आराम, संतुलित खानपान और पानी पीने से अक्सर राहत मिल जाती है।

हालांकि, अगर सिरदर्द बार-बार हो, बहुत तेज हो या लंबे समय तक बना रहे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कुछ मामलों में यह किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकता है। प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाला लगातार सिरदर्द प्रीक्लेम्प्सिया जैसी गंभीर स्थिति से जुड़ा हो सकता है, जो मां और गर्भ में पल रहे बच्चे, दोनों की सेहत को प्रभावित कर सकता है। इसलिए सिरदर्द के साथ दिखने वाले दूसरे लक्षणों पर भी ध्यान देना जरूरी है। आइए जानते हैं प्रीक्लेम्प्सिया क्या है, यह क्यों होता है और सिरदर्द के अलावा कौन से लक्षण दिख सकते हैं।

### प्रीक्लेम्प्सिया क्या है और यह क्यों होता है?

प्रीक्लेम्प्सिया प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाली एक गंभीर समस्या है, जो आमतौर पर 20वें सप्ताह के बाद हो सकती है। इसमें प्रेग्नेंट महिला का ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और किडनी, लिवर या दूसरे अंग भी प्रभावित हो सकते हैं। अगर समय पर इसका इलाज न हो, तो यह मां और बच्चे, दोनों के लिए खतरा पैदा कर सकता है।

Mayo Clinic के अनुसार, इसकी सही वजह अभी पूरी तरह पता नहीं है। माना जाता है कि यह समस्या प्लेसेंटा के सही तरीके से विकसित न होने से जुड़ी हो सकती है। जिन महिलाओं को पहले से हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, किडनी की बीमारी हो, जुड़वां या उससे ज्यादा बच्चों की प्रेग्नेंसी हो या पहली बार गर्भधारण हुआ हो, उनमें इसका खतरा बढ़ सकता है। इसलिए प्रेग्नेंसी के दौरान नियमित जांच कराना और ब्लड प्रेशर की निगरानी करना बहुत जरूरी है।

### सिरदर्द के अलावा प्रीक्लेम्प्सिया में कौन से लक्षण दिख सकते हैं?

प्रीक्लेम्प्सिया में लगातार या तेज सिरदर्द सबसे आम लक्षणों में से एक है। इसके अलावा धुंधला दिखना, आंखों के सामने चमक दिखाई देना, चेहरे और हाथों में अचानक सूजन, सांस लेने में तकलीफ, पेट के ऊपरी हिस्से में तेज दर्द, मतली या उल्टी और अचानक वजन बढ़ना भी इसके संकेत हो सकते हैं।

कुछ महिलाओं में पेशाब में प्रोटीन की मात्रा भी बढ़ जाती है, जिसका पता जांच से चलता है। अगर इनमें से कोई भी लक्षण दिखाई दे, तो इसे सामान्य प्रेग्नेंसी की परेशानी समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

### प्रेग्नेंसी में सिरदर्द होने पर कब डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें?

अगर प्रेग्नेंसी के दौरान सिरदर्द बहुत तेज हो, बार-बार हो या आराम करने के बाद भी ठीक न हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। इसके अलावा, अगर ऊपर बताए गए कोई भी लक्षण दिखाई दें, तो बिना देर किए अस्पताल जाएं।

प्रेग्नेंसी के दौरान नियमित जांच कराते रहें और ब्लड प्रेशर की जांच भी समय-समय पर करवाएं। समय पर पहचान और इलाज से मां और गर्भ में पल रहे बच्चे, दोनों को सुरक्षित रखने में मदद मिल सकती है।

# जरूरत से ज्यादा सोचते हैं? इन 5 चीजों को करना छोड़ें

अक्सर लोग किसी न किसी बात को लेकर ज्यादा सोचते रहते हैं। इससे उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है और वे कई बार जरूरी काम भी नहीं कर पाते हैं। ज्यादा सोचने से आप अपने जीवन में कई बार अनजाने में तनाव भी बढ़ा लेते हैं। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनसे आपको ज्यादा सोचने की बजाय उन्हें छोड़ने पर ध्यान देना चाहिए।

### दूसरों की राय पर ध्यान देना

दूसरों की राय पर ज्यादा ध्यान देना छोड़ें। अक्सर लोग दूसरों की राय को बहुत अहमियत देते हैं और अपने फैसले उनके कहने पर बदल लेते हैं।

इससे आपके आत्मविश्वास पर असर पड़ता है और आप अपने असली मकसद से भटक जाते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप अपनी जिंदगी खुद जिएं और दूसरों की राय को नजरअंदाज करें।

इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप अपने लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

### असफलताओं से डरना

असफलताओं से डरना छोड़ दें। असफलताएं जीवन का हिस्सा होती हैं और उनसे डरकर आगे बढ़ने में रुकावट आती है।

अगर आप हर असफलता को एक सीख मानकर उसे सुधारने की कोशिश करेंगे तो आपके लिए आगे बढ़ना आसान होगा।

असफलताओं से डरना छोड़ दें और उन्हें अपने अनुभव का हिस्सा बनाएं। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहेंगे।

### भविष्य की चिंता करना

भविष्य की चिंता करना छोड़ दें। भविष्य को लेकर चिंता करना सामान्य बात है, लेकिन इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा नहीं बनने देना चाहिए।

वर्तमान में जीने की कोशिश करें और अपनी ऊर्जा अपने कामों में लगाएं। इससे न केवल आपका मानसिक तनाव कम होगा, बल्कि आप अपने लक्ष्यों को बेहतर तरीके से प्राप्त कर सकेंगे।

याद रखें कि आज का काम आज ही पूरा करना चाहिए, ताकि भविष्य में कोई चिंता न रहे।

### दूसरों की तुलना करना

दूसरों की तुलना करना छोड़ दें। हर व्यक्ति अलग होता है और उसकी अपनी खासियत होती हैं। किसी दूसरे व्यक्ति से अपनी तुलना करना गलत है क्योंकि इससे आपकी आत्मविश्वास कमजोर होता है।

इसके बजाय अपनी प्रगति पर ध्यान दें और खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करें।

अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें और दूसरों से प्रेरणा लें, लेकिन उनकी तुलना न करें। इससे आप अपनी मंजिल तक पहुंचने में सफल होंगे और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

### हर चीज को बिल्कुल सही बनाने की कोशिश

हर चीज बिल्कुल सही होनी चाहिए, ऐसा सोचना गलत है क्योंकि इससे तनाव बढ़ता है और आप अपने असली मकसद से भटक जाते हैं।

बेहतर होगा कि आप अपने काम को बेहतरीन बनाने की कोशिश करें, लेकिन उसे बिल्कुल सही न बनाने की सोचें।

इससे आपका मानसिक दबाव कम होगा और आप अपनी जिंदगी का आनंद ले सकेंगे। याद रखें कि कोई भी इंसान या काम पूरी तरह से सही नहीं होता।

# आईवीएफ की है तैयारी? इसे कामयाब करने के लिए अपनाएं ये आदतें

आईवीएफ एक ऐसी तकनीक है जो उन कपल्स के लिए वरदान है जो लंबे समय से नेचुरली माता-पिता नहीं बन पा रहे होते हैं। इस प्रोसेस में छोटी से छोटी चीज का भी ध्यान रखा जाता है। अगर आईवीएफ की तैयार है तो इसे सक्सेसफुल बनाने के लिए डाइट और लाइफस्टाइल कैसी होनी चाहिए, एक्सपर्ट से जानें...

वर्ल्ड आईवीएफ डे उन कपल्स के लिए जागरूकता का मौका है जो पेरेंट्स बनने के सपने को पूरा करने के लिए इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) और असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (एआरटी) जैसी मॉडर्न टेक्निक की हेल्प लेते हैं। साल 1978 में पहले आईवीएफ बेबी के जन्म के बाद से यह तकनीक लगातार डेवलप हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक 1978 से 2018 के बीच आईवीएफ और एआरटी की मदद से दुनियाभर में करीब 93 लाख से 1.23 करोड़ बच्चों का जन्म हुआ।

यूरोप, एशिया और उत्तरी अमेरिका में इसका सबसे अधिक इस्तेमाल हुआ, जबकि एशिया में एआरटी तकनीक का उपयोग तेजी से बढ़ा और 2018 तक दुनिया के एआरटी जन्मों में इसकी हिस्सेदारी करीब एक-तिहाई तक पहुंच गई। आज आईवीएफ कई कपल्स के लिए उम्मीद की किरण बन चुका है।

### कितनी संपत्ति के मालिक हैं धर्मेंद्र प्रधान, पत्नी के पास कितना सोना?

हालांकि, इसकी सफलता केवल मेडिकल प्रक्रिया पर निर्भर नहीं करती, बल्कि कपल्स की लाइफस्टाइल, खानपान, मानसिक स्वास्थ्य और कुछ जरूरी हेल्दी आदतें भी इसमें अहम भूमिका निभाती हैं। आईवीएफ शुरू करने से पहले शरीर और मन दोनों को तैयार करना जरूरी होता है। एक्सपर्ट से जानें आईवीएफ से पहले और इसके दौरान खानपान कैसा करना चाहिए। साथ ही लाइफस्टाइल कैसा होना चाहिए।

### डाइट और न्यूट्रिशन पर फोकस

डॉ। प्रतिमा पोद्दार (सीनियर कंसल्टेंट, ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल) का कहना है कि आईवीएफ की तैयारी कर रहे कपल्स को सबसे पहले अपनी डाइट और पोषण पर ध्यान देना चाहिए। शरीर को पर्याप्त पोषक तत्व मिलने से हार्मोन बैलेंस बेहतर रहता है और रिप्रोडक्टिव हेल्थ को सपोर्ट मिलता है। हरी पत्तेदार सब्जियां, ताजे फल, साबुत अनाज, दालें, बीन्स, अंडे, नट्स और बीजों को खाने से फायदा होता है। फोलिक एसिड, विटामिन डी, आयरन, जिंक और ओमेगा-3 जैसे पोषक तत्व महिलाओं और पुरुषों दोनों की फर्टिलिटी के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

### एक्टिव रहना है बहुत जरूरी

एक्सरसाइज और एक्टिव लाइफस्टाइल भी आईवीएफ की तैयारी का अहम हिस्सा है। एक्सपर्ट कहती हैं कि हल्की एक्सरसाइज जैसे रोजाना वॉक करना, योग, प्राणायाम और स्ट्रेचिंग शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। अच्छी फिजिकल एक्टिविटी से तनाव कम होता है और शरीर का मेटाबॉलिज्म बेहतर रहता है। वहीं आईवीएफ के दौरान बहुत ज्यादा भारी वर्कआउट या जरूरत से ज्यादा शारीरिक मेहनत से बचना चाहिए। वैसे ज्यादा वजन या बहुत कम वजन दोनों ही हार्मोनल बैलेंस को प्रभावित कर सकते हैं।

### मेंटल हेल्थ

आईवीएफ के सफर में मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी है जितना शारीरिक स्वास्थ्य का। आईवीएफ का प्रोसेस कई चरणों में पूरा होता है और इसमें कपल्स को चिंता, स्ट्रेस या इमोशनल प्रेशर महसूस हो सकता है। लंबे समय तक तनाव रहने से शरीर में हार्मोनल बदलाव हो सकते हैं, जो स्वास्थ्य पर असर डाल सकते हैं। ऐसे में मेडिटेशन, पर्याप्त नींद, अपनी भावनाओं को परिवार या पार्टनर के साथ साझा करना और जरूरत पड़ने पर काउंसलर की मदद लेना फायदेमंद हो सकता है।

### गलत आदतों को छोड़ें

धूम्रपान, शराब और तंबाकू जैसी आदतें महिलाओं और पुरुषों दोनों की फर्टिलिटी को नुकसान पहुंचा सकती हैं। ये एग और स्पर्म की क्वालिटी को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे प्रेगनेंट के चांस कम हो सकते हैं। इसके अलावा, ज्यादा मात्रा में कैफीन का सेवन भी सीमित करना चाहिए।

एक्सपर्ट कहती हैं कि आईवीएफ केवल एक मेडिकल प्रोसेस नहीं, बल्कि उम्मीद, सब्र और सही देखभाल का रास्ता है। आज की मॉडर्न टेक्निक्स ने आईवीएफ को पहले से ज्यादा सेफ और कारगर बनाया है। लेकिन इसके बेस्ट रिजल्ट्स के लिए कपल्स को अपनी लाइफस्टाइल में पॉजिटिव बदलाव करने चाहिए।

# विदेश में रहते हैं? रिश्तेदारों से गिफ्ट लेने से पहले जरूर जान लें इनकम टैक्स के नियम

**NRI को रिश्तेदारों से मिले गिफ्ट पर हर मामले में टैक्स नहीं लगता। हालांकि, इनकम टैक्स एक्ट और FEMA के अलग-अलग नियम लागू होते हैं। गिफ्ट स्वीकार करने से पहले पात्र रिश्तेदार, राशि और लेनदेन के नियमों को समझना जरूरी है।**

विदेश में रहने वाले भारतीय (NRI) अक्सर अपने माता-पिता, भाई-बहन या अन्य रिश्तेदारों से भारत में पैसा, संपत्ति या अन्य उपहार (Gift) प्राप्त करते हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह होता है कि क्या इन गिफ्ट्स पर टैक्स देना होगा? इसका जवाब केवल आयकर कानून (Income Tax Act) से नहीं, बल्कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA) के नियमों से भी जुड़ा है। इसलिए किसी भी गिफ्ट को स्वीकार करने से पहले दोनों नियमों को समझना जरूरी है।

### कब नहीं देना पड़ता टैक्स?

आयकर अधिनियम के तहत यदि किसी NRI को निर्धारित रिश्तेदार (Relative) से गिफ्ट मिलता है, तो उस पर कोई टैक्स नहीं लगता, चाहे गिफ्ट की रकम कितनी भी हो। रिश्तेदारों में माता-पिता, पति या पत्नी, भाई-बहन, दादा-दादी, नाना-नानी, बच्चे और कुछ अन्य करीबी रिश्ते शामिल हैं।

हालांकि, यदि गिफ्ट किसी ऐसे व्यक्ति से मिलता है जो आयकर कानून के अनुसार रिश्तेदार की श्रेणी में नहीं आता और उसकी कुल कीमत एक वित्त वर्ष में ₹50,000 से अधिक है, तो यह राशि NRI की आय मानी जा सकती है और उस पर टैक्स लग सकता है।

### FEMA के नियम भी हैं महत्वपूर्ण

सिर्फ आयकर नियमों का पालन करना ही काफी नहीं है। यदि गिफ्ट में विदेशी मुद्रा, भारत से बाहर या भारत के भीतर धन का ट्रांसफर या अन्य विदेशी लेनदेन शामिल है, तो FEMA के नियम भी लागू हो सकते हैं।

अगर भारत में रहने वाला कोई व्यक्ति किसी NRI को गिफ्ट देता है, तो यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि लेनदेन FEMA के प्रावधानों के अनुरूप हो। कुछ मामलों में राशि भेजने के तरीके, बैंकिंग चैनल और अन्य नियामकीय शर्तों का पालन करना अनिवार्य होता है।

### प्रॉपर्टी या शेयर गिफ्ट करने पर क्या नियम हैं?

यदि गिफ्ट के रूप में केवल नकद नहीं, बल्कि अचल संपत्ति, शेयर या अन्य वित्तीय संपत्तियां दी जाती हैं, तो उनके लिए अलग नियम लागू हो सकते हैं। खासतौर पर NRI को संपत्ति या शेयर ट्रांसफर करते समय FEMA और अन्य नियामकीय प्रावधानों का पालन करना जरूरी है। कई मामलों में संपत्ति के प्रकार और गिफ्ट देने वाले व्यक्ति की स्थिति के आधार पर नियम बदल सकते हैं।

### गिफ्ट लेने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

विशेषज्ञों का कहना है कि NRI को गिफ्ट स्वीकार करने से पहले यह स्पष्ट कर लेना चाहिए कि गिफ्ट देने वाला व्यक्ति आयकर कानून के अनुसार 'रिश्तेदार' की श्रेणी में आता है या नहीं। इसके अलावा, गिफ्ट से जुड़े दस्तावेज, बैंक रिकॉर्ड और जरूरत पड़ने पर गिफ्ट डीड भी सुरक्षित रखनी चाहिए।

यदि गिफ्ट की राशि बड़ी है या उसमें संपत्ति, शेयर या विदेशी मुद्रा शामिल है, तो टैक्स और FEMA नियमों का सही तरीके से पालन करने के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट या टैक्स विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर रहेगा। इससे भविष्य में टैक्स विवाद या नियामकीय परेशानियों से बचा जा सकता है।

# अब बच्चों को होमवर्क का सीधा जवाब नहीं देगा चेट जीपीटी, ओपन एआई ने 18 साल से कम उम्र वालों के लिए बदले नियम

लोकप्रिय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटबॉट 'चैटजीपीटी' बनाने वाली कंपनी ओपनएआई ने 18 साल से कम उम्र के किशोरों और बच्चों के लिए अपनी सेवा को पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित बनाने का बड़ा कदम उठाया है। कंपनी एक नया 'टीन फीचर' और 'चाइल्ड सेफ्टी ब्लूप्रिंट' लेकर आई है, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को एआई का सही और सुरक्षित इस्तेमाल सिखाना है। इसके तहत अब चैटजीपीटी न सिर्फ बच्चों की पढ़ाई के तरीके को बदलेगा, बल्कि माता-पिता को भी अपने बच्चों की डिजिटल गतिविधियों पर नजर रखने के लिए विशेष अधिकार देगा।

### 18 साल से कम उम्र वालों के लिए अलग होगा अनुभव

ओपनएआई के नए बदलावों के तहत अब 18 साल से कम उम्र के यूजर्स के लिए चैटजीपीटी का अनुभव पूरी तरह से अलग होगा। जैसे ही सिस्टम को यह पता चलेगा कि यूजर की उम्र 18 साल से कम है, उसे अपने आप 'टीन एक्सपीरियंस मोड' में शिफ्ट कर दिया जाएगा। इस विशेष मोड में हिंसक सामग्री, आत्महत्या से जुड़े विषय और इंटरनेट के खतरनाक वायरल ट्रेंड जैसे संवेदनशील मुद्दों पर पहले से ज्यादा सख्त सुरक्षा नियम लागू होंगे। कंपनी का स्पष्ट कहना है कि उसका मकसद बच्चों को तकनीक से दूर रखना नहीं है, बल्कि उन्हें एक जिम्मेदार और सुरक्षित तरीके से एआई का उपयोग करना सिखाना है।

### स्टडी मोड में सीधे जवाब के बजाय मिलेगा स्टेप-बाय-स्टेप हल

छात्रों के लिए कंपनी ने अपने 'स्टडी मोड' में सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अक्सर बच्चे होमवर्क या किसी सवाल का सीधा जवाब पाने के लिए चैटजीपीटी का सहारा लेते हैं, लेकिन अब ऐसा नहीं हो सकेगा। इस नए मोड में चैटजीपीटी बच्चों को किसी भी सवाल का सीधा उत्तर देने के बजाय उसे स्टेप-बाय-स्टेप तरीके से समझाएगा। यह बदलाव खास तौर पर इसलिए डिजाइन किया गया है ताकि छात्र केवल कॉपी-पेस्ट करने के बजाय खुद से सोचकर समाधान तक पहुंच सकें और उनकी सीखने की क्षमता बेहतर हो सके।

### ब्रेक रिमाइंडर के साथ पैरेंट्स को मिले मजबूत कंट्रोल

बच्चों को स्क्रीन की लत से बचाने के लिए ओपनएआई ने एक नया 'ब्रेक रिमाइंडर' फीचर भी जोड़ा है। यदि कोई किशोर लंबे समय तक लगातार चैटजीपीटी का उपयोग करता है, तो एआई उसे बीच में रुकने और कुछ देर का ब्रेक लेने की सलाह देगा। इसके अलावा, माता-पिता को भी नए और मजबूत 'पैरेंटल कंट्रोल' दिए गए हैं। इन कंट्रोल फीचर्स की मदद से पैरेंट्स यह तय कर सकेंगे कि उनका बच्चा एआई का उपयोग किस तरह से कर रहा है और जरूरत पड़ने पर वे सुरक्षा सेटिंग्स में अपने हिसाब से बदलाव भी कर सकेंगे।

### चाइल्ड सेफ्टी ब्लूप्रिंट से रुकेगा गलत इस्तेमाल

ओपनएआई ने अपने इन नए फीचर्स के साथ एक विस्तृत 'चाइल्ड सेफ्टी ब्लूप्रिंट' भी जारी किया है। इस ब्लूप्रिंट को तैयार करने के लिए कंपनी ने नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉयटेड चिल्ड्रन, अटॉर्नी जनरल अलायंस और थॉर्न जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों से महत्वपूर्ण सुझाव लिए हैं। इसका मुख्य फोकस एआई के जरिए होने वाले बच्चों के यौन शोषण, गलत या बदले गए कंटेंट और खतरनाक गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए मजबूत कानूनी, तकनीकी और सुरक्षा उपाय तैयार करना है।

# 12 सीटों पर बवाल, 14 हजार पुलिसकर्मी तैनात... PoK में चुनाव या नियंत्रण की जंग?

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में 27 जुलाई से विधानसभा चुनाव शुरू हो गए हैं। ये चुनाव ऐसे समय हो रहे हैं, जब इलाके में पिछले दो महीनों से लगातार विरोध प्रदर्शन और हिंसा देखने को मिली है। इसी वजह से पाकिस्तान सरकार ने पूरे इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है। चुनाव 27 जुलाई से 10 अगस्त के बीच तीन चरणों में कराए जाएंगे। सुरक्षा के लिए पंजाब से 14,000 अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात किए हैं। 12 रिफ्यूजी सीटों को लेकर स्थानीय लोगों का विरोध जारी है।

PoK की विधानसभा में कुल 53 सीटें हैं। इनमें 45 सीटों पर सीधे चुनाव होते हैं, जबकि 8 सीटें महिलाओं, टेक्नोक्रेट्स और धर्मगुरुओं के लिए आरक्षित हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, 27 जुलाई को मीरपुर डिवीजन की 13 सीटों, 2 अगस्त को मुजफ्फराबाद डिवीजन की 9 सीटों और 12 रिफ्यूजी सीटों, जबकि 10 अगस्त को पुंछ डिवीजन की 11 सीटों पर मतदान होगा।

इस चुनाव का सबसे बड़ा विवाद 12 रिफ्यूजी सीटों को लेकर है। ये सीटें उन लोगों के लिए आरक्षित हैं, जो 1947 और उसके बाद जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान के मुख्य हिस्से में जाकर बस गए थे। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) का आरोप है कि पाकिस्तान सरकार इन सीटों के जरिए PoK की राजनीति और सरकार को अपने नियंत्रण में रखती है। इसी वजह से JAAC इन 12 सीटों को खत्म करने की मांग कर रही है।

इसी मांग को लेकर पिछले करीब दो महीनों से PoK में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। कई जगह प्रदर्शन हिंसक हो गए, जिनमें सुरक्षाकर्मियों समेत दर्जनों लोगों की मौत हो गई। इसके बाद पाकिस्तान सरकार ने पिछले महीने JAAC को प्रतिबंधित संगठन घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों के आक्रोश, खूनी संघर्ष और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच हो रहे ये चुनाव पाकिस्तान की दमनकारी नीतियों और PoK में सुलग रहे गुस्से की गवाही दे रहे हैं। पूरे इलाके में धारा 144 जैसी पाबंदियों और भारी पुलिस बल की तैनाती के बीच, इस्लामाबाद इस क्षेत्र पर अपना राजनीतिक नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश कर रहा है।

### 30% पुलिसकर्मी हथियारों से लैस

चुनाव के दौरान किसी भी तरह की हिंसा रोकने के लिए पाकिस्तान ने पंजाब प्रांत से 14,000 अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात किए हैं। इनमें 30% पुलिसकर्मी हथियारों से लैस हैं, जबकि 70% जवान दंगा-रोधी उपकरणों के साथ तैनात किए गए हैं।

राजनीतिक मुकाबला भी दिलचस्प है। पाकिस्तान की केंद्र सरकार में साथ रहने वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (PML-N) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) PoK में एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं। वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) ने मौजूदा हालात और पुलिस कार्रवाई का हवाला देते हुए चुनाव का बहिष्कार कर दिया है।

### भारत का रुख पहले की तरह साफ

भारत का कहना है कि पूरा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उसका अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और पाकिस्तान ने इसके कुछ हिस्सों पर अवैध कब्जा कर रखा है। भारत PoK में कराए जा रहे इन चुनावों को मान्यता नहीं देता। नई दिल्ली का यह भी कहना है कि PoK में हाल के विरोध प्रदर्शन पाकिस्तान के लंबे समय से चले आ रहे शोषण और प्रशासनिक दमन का नतीजा हैं।

# जंगल की आग ने फ्रांस में मचाया हाहाकार, 2 .5 लाख लोग बेघर ; खतरे में मशहूर वाइन सिटी 'बोर्डो'

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका में जहां कई राज्य भीषण गर्मी से त्रस्त हैं तो वहीं फ्रांस अपने यहां लगी आग से परेशान हैं। दक्षिण-पश्चिम फ्रांस में लगी भीषण आग की वजह से कल रविवार रात 55 हजार से अधिक लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा। इस तरह सिर्फ एक इलाके में घर छोड़ने वालों की कुल संख्या ढाई लाख के करीब पहुंच गई है, क्योंकि आग की लपटें वाइन के लिए मशहूर शहर बोर्डो के और करीब पहुंच रही थीं। फ्रांस ही नहीं बल्कि पड़ोसी देश स्पेन ने भी अपने पूर्वी तट पर आग की वजह से लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेज दिया है। तेज और बदलती हवाओं के साथ-साथ सूखे मौसम ने उस भयानक आग को फैलने से रोकने की कोशिशों को बेहद मुश्किल बना दिया, जो कई दिनों से फ्रांस के गिरोंडे इलाके (जहां बोर्डो शहर है) में बेकाबू होकर जल रही है। अधिकारियों ने ऐतिहासिक शहर के दक्षिण-पश्चिम में 5 और इलाकों से रात में ही लोगों को वहां से हटाने के आदेश जारी किए। इस इलाके से कल रात 55,000 से अधिक लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा। जबकि अब तक यहां घर छोड़ने वालों की कुल संख्या 2,20,000 हो गई है। आगजनी की घटना पर फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने कहा, "हालात अभी भी बहुत खराब हैं।" उन्होंने इसे आग बुझाने वाली टीम के लिए "एक और मुश्किल रात" बताया, जो 24 घंटे से भी अधिक समय से उस आग से लड़ रहे हैं जिसने पेरिस से चार गुना बड़े इलाके को जला दिया है। नुनेज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर अपने पोस्ट में कहा, "आग फिर से बहुत खतरनाक और अनियंत्रित हो गई, जिससे अपनी हवाएं पैदा हुईं और यह अजीब तरह से बोर्डो मेट्रोपॉलिटन इलाके की ओर बढ़ने लगी।"

# पानी की कमी से लंदन में हालात बिगड़े, एयरपोर्ट के टॉयलेट और रेस्टोरेंट आउट ऑफ सर्विस

**लंदन, एजेंसी।** लंदन के गैटविक एयरपोर्ट से रविवार को गुजरने वाले यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस परेशानी की वजह कुछ और नहीं बल्कि पानी था। रिपोर्ट के मुताबिक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में बिजली गुल हो गई, जिसकी वजह से पूरे एयरपोर्ट पर पानी की सप्लाई प्रभावित हुई। यहां तक कि एयरपोर्ट के टॉयलेट में भी पानी था। एयरपोर्ट के अधिकारियों के मुताबिक पानी की सप्लाई न होने की वजह से दोनों टर्मिनलों में टॉयलेट और रेस्टोरेंट और बार बंद करने पड़े। अधिकारियों ने कहा कि वो स्थानीय जल कंपनी के साथ मिलकर जल्द से जल्द सेवा बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं। जल आपूर्ति कंपनी 'SES वाटर' ने के अनुसार उसके 'बाउ बीच वाटर ट्रीटमेंट वर्क्स' में बिजली गुल हो गई थी। जिसकी वजह से पानी के दबाव में भारी कमी आई और केंट एंव ससेक्स काउंटियों के कुछ इलाकों के साथ ही एयरपोर्ट पर भी पानी की सप्लाई रुक गई। कंपनी ने कहा कि जल्द से जल्द सेवा शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं, एयरपोर्ट प्रशासन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हउए इस असुविधा के लिए यात्रियों से माफी मांगी है। पोस्ट में एयरपोर्ट प्रशासन ने कहा 'पानी की सप्लाई में आ रही समस्या की वजह से अभी भी परेशानी हो रही है। फ़िलहाल दोनों ही टर्मिनल में पानी की सप्लाई नहीं हो रही है। हमारे कर्मचारी यात्रियों की मदद के लिए मौजूद हैं और ज़रूरत पड़ने पर सहायता दे रहे हैं। इसके आगे प्रशासन ने कहा कुछ रेस्टोरेंट पार्टनर ने बैठने की अतिरिक्त जगह उपलब्ध कराने के लिए अपने यहां जगह खोली है। इस असुविधा के लिए हम माफ़ी चाहते हैं और सप्लाई को जल्द से जल्द बहाल करने के लिए @SESWater के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। जैसे ही और जानकारी मिलेगी, हम आपको अपडेट देंगे'। इसके साथ प्रशासन ने ये भी कहा कि एयरपोर्ट पर यात्रियों और कर्मचारियों के लिए बोतलबंद पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। हालांकि यात्रियों ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि पानी बंद होने की उन्हें पहले से कोई जानकारी नहीं मिली थी। इसके साथ ही ये भी बताया कि एयरपोर्ट पर कोई भी पानी की बोतलें बांटते हुए कोई दिखा। एक यात्री पॉल ने कहा 'जिन लोगों को शौचालय जाना है, उनके लिए यह ठीक नहीं है। मैं जल्द ही उड़ान भरने वाला हूं, इसलिए कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन कुछ घंटों में उड़ान भरने वाले यात्रियों के लिए यह परेशानी का सबब बनेगा'। वहीं पूर्व सांसद माइकल डुगर ने भी सोशल मीडिया पर इसको लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि बार और रेस्तरां बंद होने के कारण लोगों के पास बैठने की जगह नहीं है।

# ईरानी जहाज पर हमले से बढ़ा तनाव, यूक्रेन को ईरान की खुली चेतावनी

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** कैस्पियन सागर में ईरानी झंडे वाले एक कमर्शियल जहाज पर हमले के लिए ईरान ने यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया है। ईरान ने कहा कि यूक्रेन की यह कार्रवाई बिना जवाब के नहीं रहेगी। ईरान ने इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खुले उल्लंघन का मामला बताया है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने यूरोपीय संघ (EU) की हाई रिप्रेजेंटेटिव काजा कल्लास और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से फोन पर बातचीत के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के निर्देश पर ईरानी कमर्शियल जहाज़ पर हमला किया गया। इस हमले में एक नाविक की मौत हो गई।

अरागची ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा कि यूक्रेन ने इजरायल के कहने पर यह हमला किया है, ताकि यूरोप को भी पश्चिमी एशिया में चल रहे संघर्ष में शामिल किया जा सके। यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर का गंभीर उल्लंघन है। अरागची ने आगे लिखा कि कीव में बैठे मुफ्तखोर ने जो किया है, उसका जवाब जरूर दिया जाएगा।

### ईरानी जहाज पर कहां हुआ हमला?

ईरान के विदेश मंत्रालय के मुताबिक शनिवार यानी 26 जुलाई को शनिवार तड़के यूक्रेनी सेना ने कैस्पियन सागर में ईरानी झंडे वाले एक कमर्शियल जहाज पर निशाना बनाया। यह जहाज रूस के अस्त्रखान बंदरगाह से ईरान के अंजली बंदरगाह की ओर जा रहा था। हमले में जहाज़ का कंट्रोल रूम पूरी तरह बर्बाद हो गया। जहाज में सवार एक नाविक की मौत हो गई। दूसरा नाविक गंभीर तौर पर घायल है।

### ईरान ने यूक्रेन को क्या चेतावनी दी?

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने साफ-साफ संकेत दिया है। ईरान इस हमले को हल्के में नहीं लेगा। उन्होंने कहा कि घटना का जवाब उचित समय और तरीके से दिया जाएगा। ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी इस घटना पर ध्यान देने और इसकी निंदा करने की अपील की है।

### इस घटनाक्रम का क्या असर होगा?

यह घटना ऐसे समय हुई जब रूस और यूक्रेन का युद्ध पहले से ही कई देशों को प्रभावित कर रहा था। उधर ईरान-अमेरिका के बीच भी लगातार सैन्य तनाव जारी है। ऐसे में यूक्रेन के ईरान के जहाज पर किए गए हमले में यूरोप समेत कई अन्य देश भी भीषण सैन्य संघर्ष के केंद्र में आ सकते हैं। साथ ही इसका असर क्षेत्रीय सुरक्षा के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार पर भी पड़ सकता है। अब तक ईरान के आरोपों पर यूक्रेन की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

# धर्मेंद्र प्रधान के स्वागत पर सियासी घमासान, भाजपा ने 'जिंदाबाद' तो विपक्ष ने 'पेपर चोर' के लगाए नारे

**नई दिल्ली, एजेंसी।** नीट पेपर लीक विवाद के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले भाजपा नेता धर्मेंद्र प्रधान के संसद परिसर पहुंचते ही सोमवार को राजनीतिक माहौल गरमा गया। भाजपा के कई सांसदों और नेताओं ने उनका पारंपरिक टोपी और अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान 'धर्मेंद्र प्रधान जिंदाबाद' के नारे लगाए गए। वहीं विपक्षी सांसदों ने इसका विरोध करते हुए 'चोर-चोर, पेपर चोर' के नारे लगाए और भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए।

### कांग्रेस ने भाजपा पर साधा निशाना

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि जिस तरह पहले बिलकिस बानो मामले के दोषियों का स्वागत किया गया था, उसी तरह अब धर्मेंद्र प्रधान का सम्मान किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधान ने शिक्षा मंत्रालय में आरएसएस के एजेंडे को लागू किया, इसलिए वे भाजपा और आरएसएस के लिए हीरो हैं। खेड़ा ने कहा कि अब देश की जनता धर्मेंद्र प्रधान की असलियत जान चुकी है।

### सरकार शिक्षा सुधार को लेकर गंभीर नहीं- गौरव गोगोई

लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने कहा कि सरकार शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर गंभीर नहीं है। उन्होंने लोकसभा में पेश किए गए नए एंटी पेपर लीक संशोधन विधेयक को केवल कॉस्मेटिक बिल बताया। गोगोई ने कहा कि पहले भी पेपर लीक के मामलों में मुख्य आरोपी सबूतों के अभाव में अदालत से छूट चुके हैं। ऐसे में केवल कानून में सख्त सजा का प्रावधान करने से समस्या का समाधान नहीं होगा, जब तक जांच और कार्रवाई प्रभावी नहीं होगी।

### नई समिति पर भी उठाए सवाल

गौरव गोगोई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शिक्षा सुधार के लिए बनाई गई नई हाई-पावर टास्क फोर्स पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि दो साल पहले भी के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में ऐसी ही समिति बनाई गई थी, लेकिन उसकी सिफारिशों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल समितियां बनाकर प्रचार कर रही है, जबकि शिक्षा व्यवस्था में वास्तविक सुधार नहीं हो रहे।

### पुलिस कार्रवाई पर गृह मंत्री से बयान की मांग

गौरव गोगोई ने 20 जुलाई को छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में छात्रों पर एफआईआर दर्ज की गई और गिरफ्तारियां हुईं, जिससे छात्रों में डर का माहौल बना है। उन्होंने दोहराया कि गृह मंत्री अमित शाह को संसद में इस पूरे मामले पर बयान देना चाहिए।

### रेणुका चौधरी ने भी किया हमला

कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का स्वागत करके भाजपा एक 'दोषी व्यक्ति को हीरो' बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यही भाजपा की कार्यशैली और सोच को दिखाता है।

### धर्मेंद्र प्रधान ने नहीं दिया जवाब

संसद परिसर में पत्रकारों ने धर्मेंद्र प्रधान से उनके इस्तीफे और नए एंटी पेपर लीक बिल पर प्रतिक्रिया जाननी चाही, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

### सरकार लाई सख्त एंटी पेपर लीक कानून

इस बीच सरकार ने सोमवार को लोकसभा में लोक परीक्षा संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। प्रस्तावित कानून के तहत पेपर लीक के मामलों में दोषियों को 10 साल तक की जेल और 50 लाख रुपये तक जुर्माना हो सकता है। साथ ही ऐसे मामलों की जांच दो महीने के भीतर पूरी करने का प्रावधान किया गया है। यह विधेयक ऐसे समय लाया गया है जब नीट पेपर लीक मामले को लेकर देशभर में छात्रों के बड़े आंदोलन हुए और इसी विवाद के बीच धर्मेंद्र प्रधान को शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। विपक्ष ने विधेयक पेश होने के दौरान भी संसद में हंगामा किया और छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार से जवाब मांगा।

## किताबों में 2000 से ज्यादा त्रुटियां, नवीन पटनायक ने की इस्तीफे की मांग

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ओडिशा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और बीजद प्रमुख नवीन पटनायक ने सरकारी स्कूलों में त्रुटिपूर्ण पाठ्यपुस्तकों के वितरण को लेकर स्कूल एवं जनशिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों तक गलतियों से भरी किताबें पहुंचाकर उनका भरोसा तोड़ा गया है। नवीन पटनायक ने कहा कि कक्षा 1 से 8 तक की पाठ्यपुस्तकों में बड़ी संख्या में हुई गलतियां स्वीकार्य नहीं हैं और इससे शिक्षा व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कमजोर हुआ है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड को केंद्रीय शिक्षा मंत्री रहे धर्मेंद्र प्रधान का उदाहरण अपनाते हुए पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने बताया कि बीजद पिछले दो-तीन सप्ताह से यही मांग कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य बोर्ड की स्कूल पुस्तकों में 2,000 से अधिक गलतियां सामने आई हैं। इनमें वैज्ञानिक आइजैक न्यूटन को एक बेहतरीन पायलट बताया गया, जबकि ओडिशा की नियामगिरि पहाड़ियों को झारखंड में दर्शाया गया है। एक दिन पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास ने चेतावनी दी थी कि यदि शिक्षा मंत्री एक सप्ताह के भीतर इस्तीफा नहीं देते हैं तो कांग्रेस ओडिशा बंद का आह्वान करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस्तीफा नहीं देने पर कांग्रेस कार्यकर्ता मंत्री के आवास का घेराव करेंगे। वहीं, माकपा भी इस मुद्दे पर मास्टर कैंटीन चौक पर प्रदर्शन कर रही है। भाजपा के महासचिव बिरंची नारायण त्रिपाठी ने बीजद के नैतिक रुख पर सवाल उठाते हुए पूछा कि जब बीजद सत्ता में थी और उसके कई मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे, तब कितने मंत्रियों ने नैतिक आधार पर इस्तीफा दिया था। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पाठ्यपुस्तकों की गलतियों की जांच ओडिशा पुलिस की क्राइम ब्रांच को सौंप दी है। मामले में एससीईआरटी के एक पूर्व निदेशक को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा तीन सहायक निदेशकों को निलंबित किया गया है और छह अन्य अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की गई है।

# देसी लुक में छाईं अवनीत कौर, गुलाबी सलवार-सूट में दिखीं बेहद खूबसूरत

एक्ट्रेस अवनीत कौर आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अपनी बेहतरीन एक्टिंग के साथ-साथ वह अपने कमाल के फैशन सेंस और बोल्ड चॉइस के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में अवनीत ने इंस्टाग्राम पर एथनिक लुक में कुछ बेहद शानदार तस्वीरें शेयर की हैं।

तस्वीरों में अवनीत कौर ने गहरे गुलाबी रंग का पारंपरिक सलवार-सूट पहने नजर आ रही हैं। उनके कुर्ते के नेकलाइन और स्लीव्स पर गोल्डन जरी और गोटा-पत्ती का हैवी वर्क है, जो उन्हें एक रॉयल लुक दे रहा है।

इसके साथ ही अवनीत ने मैचिंग की नेट की चुनरी कैरी की है, जिस पर छोटी-छोटी चमकीली बूटियों का काम है। पटियाला स्टाइल सलवार और स्लीव्स पर बने कट-डिज़ाइन उनके पूरे आउटफिट को पारंपरिक होने के साथ-साथ ट्रेंडी और मॉडर्न टच दे रहे हैं।

अवनीत का हेयर स्टाइल उनके इस देसी लुक को पूरी तरह से कॉम्प्लीमेंट कर रहा है। उन्होंने अपने बालों को हाफ-अप, हाफ-डाउन स्टाइल में ट्विस्ट करके पीछे पिन किया हुआ है, जबकि बाकी के बालों को सॉफ्ट कर्ल्स के साथ खुला छोड़ दिया है।

मेकअप की बात करें तो उन्होंने ग्लोइंग बेस के साथ न्यूड विंग्ड आईलाइनर, पिंक ब्लश और ग्लॉसी लिप्स चुने हैं। माथे पर लगी एक छोटी सी काली बिंदी उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रही है।

# धमाल 4 ने 15वें दिन तोड़ा वेलकम टू द जंगल का रिकॉर्ड, वर्ल्डवाइड कमा डाले इतने करोड़

धमाल 4 ने सिनेमाघरों मे रिलीज के दो हफ्ते पूरे कर लिए हैं और ये अब तीसरे हफ्ते में एंट्री कर चुकी है। दिलचस्प बात ये है कि कई नई हिंदी फिल्मों और थलापति विजय की जना नायकन के हिंदी वर्जन के सिनेमाघरों में आने के बावजूद, इसकी कमाई में कोई गिरावट नहीं आई। बल्कि, तीसरे शुक्रवार को फिल्म की कमाई में बढ़ोतरी देखी गई। इसी बीच, इसने अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल को पीछे छोड़ते हुए बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। चलिए यहां फिल्म के

कोईमोई के मुताबिक 14वें दिन की 2.42 करोड़ ग्रॉस (2.05 करोड़ नेट) कमाई के मुकाबले, इस एडवेंचर-कॉमेडी फिल्म ने रिलीज के तीसरे शुक्रवार यानी 15वें दिन भारत में 2.83 करोड़ ग्रॉस (2.4 करोड़ नेट) की कमाई करके बढ़त दिखाई। वहीं विदेशों में कमाई 25 लाख पर स्थिर रही। कुल मिलाकर, तीसरे फ्राइडे इस फिल्म ने ग्लोबली 3.08 करोड़ ग्रॉस की कमाई की, जो गुरुवार की 2.67 करोड़ ग्रॉस कमाई से 15.36 % ज़्यादा है।

रिपोर्ट के मुताबिक धमाल 4 ने भारत में 15 दिनो में 145.73 करोड़ रुपये की नेट कमाई की है। वहीं भारत में इसकी 171.96 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई हुई है। जबकि विदेशों में इसने अब तक 24.2 करोड़ रुपये कमाए हैं। दोनों को मिलाकर, 15 दिनों का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 196.16 करोड़ रुपये (ग्रॉस) रहा है।

धमाल 4 साल ने अपनी बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस से इम्प्रेस किया है। रिलीज के तीसरे हफ्ते में एंट्री करते ही इसने बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। दरअसल ये साल 2026 में दुनिया भर में सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली चौथी बॉलीवुड फिल्म बन गई है। रिलीज के 15 दिनों में 196.16 करोड़ रुपये (कोईमोई के आंकड़े) की कमाई के साथ अजय देवगन की फिल्म धमाल 4 ने अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल के दुनियाभर में 195.45 करोड़ रुपये के कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। इसी के साथ ये वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफ़िसि पर इस साल की चौथी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन गई है।

गौरतलब है कि वेलकम टू द जंगल अभी भी सिनेमाघरों में चल रही है, लेकिन धीमी रफ्तार के कारण यह अजय देवगन स्टारर फिल्म को पीछे नहीं छोड़ पाएगी।

धमाल 4 इस पॉपुलर फ्रैंचाइजी की चौथी इंस्टॉलमेंट है। ये फिल्म 20 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में अजय देवगन के अलावा रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी और संजय मिश्रा सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है। फिल्म का निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है। कोईमोई के मुताबिक ये फिल्म 150 करोड़ के बजट में बनाई गई है।

# मां इंटि बंगारम ने बनाया रिकॉर्ड, बनी 2026 की तमिल की मोस्ट प्रॉफिटेबल फिल्म

सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों फीमेल लीड फिल्म मां इंटि बंगारम की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म रिलीज के बाद से ही सोशल मीडिया पर छाई हुई है। इसकी लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। फिल्म ने इंडिया में तो बवाल काटा ही साथ ही नॉर्थ अमेरिका में भी शानदार प्रदर्शन किया। इसने 100 % से ज्यादा का प्रॉफिट भी कमा लिया है। चलिए बताते हैं फिल्म ने नॉर्थ अमेरिका में कितना कमाया।

फिल्म मां इंटि बंगारम ने नॉर्थ अमेरिका में भी जबरदस्त कमाई की है। फिल्म को 19 जून को रिलीज किया गया था और अमेरिका में प्रीमियर में इसने $280के की अच्छी कमाई की, जबकि पहले दिन (प्रीमियर मिलाकर) कुल $533.4के की कमाई की। नॉर्थ अमेरिका में फिल्म सक्सेसफुल रही।

रिपोर्ट के अनुसार, इसने 2.082 मिलियन डॉलर की कमाई की, जो कि इंडियन रूपये में 20.1 करोड़ के बराबर है।

इसी के साथ ही फिल्म मां इंटि बंगारम 2026 की तमिल की मोस्ट प्रॉफिटेबल फिल्म बन चुकी है। कोईमोई के अनुसार, इसने 1 मिलियन डॉलर यानी कि 9.66 करोड़ कमाए। जबकि फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 2.082 मिलियन डॉलर रहा। इस लिहाज से फिल्म ने 1.082 मिलियन यानी कि 10.82 करोड़ का प्रॉफिट कमाया। फिल्म ने 108.2%का प्रॉफिट कमा लिया।

बहरहाल, अगर फिल्म मां इंटि बंगारम के बारे में बात की जाए तो इसमें सामंथा रुथ प्रभु लीड रोल में हैं, जिन्होंने एक हाउस वाइफ का रोल तो प्ले किया है साथ ही एक एक्शन वाला अवतार भी दिखाया है, जो अपने परिवार की रक्षा के लिए कुछ भी करती हैं। सामंथा की ये पहले एक्शन मोड वाली फीमेल लीड फिल्म है, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया।

इतना ही नहीं, मां इंटि बंगारम सामंथा की पहली फिल्म है, जिसने बतौर फीमेल एक्ट्रेस 100 करोड़ के क्लब में एंट्री मारी है। ये एक दमदार फिल्म साबित हुई है। प्री प्रेग्नेंसी ये एक्ट्रेस की लास्ट फिल्म है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा।
RNI No: UPHIN/2014/57034
Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय
सम्पर्क: 9839909595, 8765295384
Email: aryavartkrantidainik@gmail.com